

नया नियम इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 1: सिकंदर तक फारसी साम्राज्य

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं जो अपना नया नियम: इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान संख्या 1: पाठ्यक्रम का परिचय और सिकंदर के समय तक फारसी साम्राज्य का इतिहास पढ़ा रहे हैं।

A. परिचय—परमेश्वर के मेम्ने को देखो (ओटी पृष्ठभूमि) [00:00-2:13]

A. परिचय, यीशु एक नबी, राजा, पुजारी के रूप में

[लघु वीडियो: संयुक्त AD; 00:00-9:50]

नमस्कार, मेरा नाम टेड हिल्डेब्रांट है, और मैं न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षक बनूंगा। यह गॉर्डन कॉलेज में हो रहा है। आज, हम बस पाठ्यक्रम का परिचय देना चाहते हैं, और फिर हम कुछ इतिहास के बारे में बात करेंगे - कुछ ऐसा इतिहास जो न्यू टेस्टामेंट की पृष्ठभूमि की भूमिका निभाता है। हम फारसियों से शुरू करेंगे और फिर यूनानियों तक, और फिर यूनानियों से होते हुए सिकंदर महान, हसमोनियन और मैकाबीन काल तक, और फिर हेरोद महान तक, जो यहूदी नहीं था, पर हम उसके बारे में बात करेंगे। मोटे तौर पर, यह न्यू टेस्टामेंट की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण होगा।

जैसा कि हम शुरू करते हैं, मैं इस तरह से नए नियम से शुरू करूंगा। नए नियम को समझने के लिए आपके पास पुराने नियम की कुछ नींव होनी चाहिए। इसलिए जब नया नियम जॉन बैपटिस्ट द्वारा यीशु से यह कहने के साथ शुरू होता है, "देखो, परमेश्वर का मेम्ना, जो जगत का पाप उठा ले जाता है।" यह एक अविश्वसनीय कथन है, और यदि कोई जॉन 1:29 से नहीं समझता है - यदि कोई जॉन बैपटिस्ट के कथन और बलिदान प्रणाली के महत्व, और पुराने नियम में यहूदी धर्म के लेविटिकल आंदोलन से निकले मंदिर पंथ को नहीं समझता है, तो जब जॉन कहता है, "देखो परमेश्वर का मेम्ना," तो आप वास्तव में नहीं समझते कि वह किस बारे में बात कर रहा है। इसलिए यह पाठ्यक्रम, क्योंकि यह नए नियम में है, हम पुराने नियम के बारे में कुछ ज्ञान मान लेंगे। और

इसमें यह कथन शामिल है, "देखो, परमेश्वर का मेम्ना," या "देखो" जैसा कि NIV इसका अनुवाद करता है।

B. यीशु भविष्यवाणी संस्था के चरमोत्कर्ष के रूप में [2:14-5:09]

लेकिन फिर आगे, यीशु मसीह पुराने नियम की कई संस्थाओं का चरमोत्कर्ष है। तो आपके पास पुराने नियम में जो पहली संस्था है वह भविष्यवक्ता की होगी। और इसलिए व्यवस्थाविवरण अध्याय 18 में, मूसा कहता है कि उसके जैसा एक भविष्यवक्ता आने वाला है, और परमेश्वर उस भविष्यवक्ता के माध्यम से बोलने वाला है: यीशु मसीह। मूसा के बाद कई भविष्यवक्ता आएंगे: आपके पास यशायाह, यिर्मयाह, यहजकेल, दानियेल, हुल्दा होंगे; 12 में से कई भविष्यवक्ता: होशे, योएल, आमोस, योना, मीका, नहूम, इस तरह के भविष्यवक्ता। फिर वे *उस* भविष्यवक्ता की ओर ले जाएंगे जो आने वाला था, और वह *भविष्यवक्ता* जो आने वाला था - ठीक है, एक अर्थ में एलियाह, जो मसीहा से पहले आने वाला था - लेकिन तब मसीहा को स्वयं एक भविष्यवक्ता माना जाएगा।

तो यीशु एक भविष्यवक्ता हैं। वे परमेश्वर के *लोगो हैं* - जबकि भविष्यवक्ता कहते हैं, "प्रभु ऐसा कहते हैं," यीशु कहेंगे, और यूहन्ना यीशु के बारे में कहेंगे, कि वे *लोगो हैं*। वे परमेश्वर के वचन हैं: "शुरुआत में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था।" और यह "वचन" या यह "प्रकाशन", यह *लोगो* भविष्यवाणी संदेश बोलने जा रहा है, भौतिक रूप में नहीं, शब्दों में नहीं: "प्रभु ऐसा कहते हैं," हालाँकि यीशु शब्दों में बोलेंगे, लेकिन यीशु अवतार द्वारा बोलेंगे। वे परमेश्वर के वचन को मूर्त रूप देंगे। तो यीशु एक तरह से परम भविष्यवक्ता हैं, परमेश्वर का परम रहस्योद्घाटन, जहाँ अब आपके पास देहधारी परमेश्वर है। तो यीशु पुराने नियम की भविष्यवाणी संस्था का चरमोत्कर्ष है।

मलाकी अध्याय 4, श्लोक 5, पुराने नियम के अंतिम कथनों में, जैसा कि पुराने नियम के अंतिम समय में मलाकी, पुराने नियम के अंतिम भविष्यवक्ता, लगभग 400 ईसा पूर्व या उसके आसपास, कहता है, "एक समय आ रहा है जब यह भविष्यवक्ता प्रभु के महान भयानक दिन से पहले आएगा।" इसलिए मलाकी उन्हें बताता है कि मूल रूप से एलियाह प्रभु के दिन से पहले आएगा। इसलिए, जब यीशु दृश्य में आता है, तो कई लोग पूछते हैं, "क्या आप एलियाह हैं जो आने

वाले हैं?" क्योंकि मलाकी अध्याय 4, श्लोक 5, पुराने नियम का सबसे अंतिम अध्याय, एक भविष्यवक्ता के बारे में बताता है और भविष्यवाणी करता है जो एलियाह की आत्मा और शक्ति में आएगा। अब यीशु कहने जा रहा है, "मैं एलियाह नहीं हूँ," लेकिन वह कहने जा रहा है कि जॉन बैपटिस्ट एलियाह की आत्मा और शक्ति में आता है। इसलिए जॉन बैपटिस्ट वह अग्रदूत होगा जो यीशु के आने की घोषणा करेगा। इसलिए जॉन बैपटिस्ट एलियाह है, "यदि आप इसे सुनेंगे," जैसा कि यीशु कहते हैं। अतः, मलाकी अध्याय 4, पद 5 पुराने नियम को समाप्त करता है, यह वहाँ समाप्त होता है, "एक भविष्यद्वक्ता आने वाला है जो प्रभु के दिन की घोषणा करने वाला है," और वहाँ आने वाली चीजों की प्रतीक्षा करता है।

C. यीशु राजा के रूप में – दाऊद का पुत्र [5:10-7:00]

तो यह यीशु है जो भविष्यवाणी संस्था का चरमोत्कर्ष है। राजा के रूप में यीशु, दाऊद के महान पुत्र के रूप में आएंगे। यीशु दाऊद के पुत्र होंगे, और कई लोग "होसन्ना" कहते हैं, क्योंकि वे यीशु के यरूशलेम में आने पर गा रहे हैं। वे कहेंगे, "होसन्ना, दाऊद का पुत्र!" और "दाऊद का पुत्र" 2 शमूएल अध्याय 7, श्लोक 14 में वापस जाता है जहाँ यह दाऊद के पुत्र के बारे में बात करता है जो इस्राएल पर राजा के रूप में दाऊद के सिंहासन पर बैठेगा और वह हमेशा-हमेशा के लिए शासन करेगा। और इसलिए, यीशु मसीह दाऊद का वह महान पुत्र होगा जिसकी वे तलाश कर रहे हैं। मैथ्यू में उन्होंने अपनी पुस्तक मैथ्यू अध्याय 1, श्लोक 1 से शुरू की: "यीशु मसीह, अब्राहम का पुत्र, दाऊद का पुत्र।" और इसलिए "दाऊद का पुत्र" यीशु मसीह है। वह अब्राहमिक वाचा की पूर्ति है। और इसलिए मूल रूप से, अब्राहम को बताया गया था कि उसे भूमि और बीज से आशीर्वाद मिलेगा, कि उसका वंश बढ़ेगा और वह सभी राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद होगा। वह "सभी राष्ट्रों को आशीर्वाद" यीशु मसीह के माध्यम से आता है। वह दाऊद का पुत्र होगा, क्योंकि वह अपने पिता दाऊद के सिंहासन पर बैठेगा। और इसलिए, यीशु मसीह राजा के रूप में वह भूमिका निभाने जा रहा है, और यीशु मसीह राजा बनने जा रहा है। और यहाँ तक कि हेरोदेस, जब ज्योतिषी हेरोदेस के पास आते हैं, तो वे पूछते हैं, "वह कहाँ है जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है?" और निश्चित रूप से वह यीशु होगा।

जब यीशु मरेगे, तो अंत में वे उनसे पूछेंगे, "क्या आप राजा हैं?" और अंत में वे उनके सिर

पर एक तख्ती लगा देंगे, जिस पर लिखा होगा, “यह यीशु है, यहूदियों का राजा।” यहूदी इस पर आपत्ति करेंगे, बेशक, और चाहेंगे कि तख्ती हटा दी जाए, लेकिन शासक कहेंगे, “नहीं, तख्ती वैसी ही है जैसा मैंने लिखा है।” इसलिए यीशु मसीह राजा होंगे, महान राजा, और अंततः उस भूमिका को पूरा करेंगे।

D. यीशु एक पुजारी के रूप में [7:01-9:50]

अब, तीसरी संस्था जो यीशु ने पूरी की वह पुजारी की है। और पुजारी मूल रूप से - यीशु के साथ आपकी समस्या यह है कि यीशु, क्योंकि वह दाऊद का पुत्र है, वह यहूदा के गोत्र से है। यहूदा के गोत्र ने पुजारी और अन्य कार्य नहीं किए। पुजारी जनजाति लेवी की जनजाति थी। तो आपके पास जो है वह यह है कि “वह राजा कैसे हो सकता है?” और “वह पुजारी कैसे हो सकता है?” के बीच संघर्ष है क्योंकि अगर वह राजा है तो वह यहूदा के गोत्र से, दाऊद की वंशावली से होगा, लेकिन अगर वह पुजारी बनने जा रहा है तो उसे गोत्र या हारून की वंशावली या सादोकियन पुजारी-लेवियों से हारून पुजारी तक, सादोक और अन्य चीजों से लेवी होना चाहिए। हालाँकि, यीशु लेवी के पुजारी नहीं हैं। दरअसल इब्रानियों ने इसे बाद में उठाया और कहा, “रुको, यीशु मेल्कीसेदेक के क्रम के अनुसार पुजारी है,” जो एक राजा-पुजारी था, और अब्राहम ने उत्पत्ति की पुस्तक में अपनी सारी संपत्ति का दसवां हिस्सा दिया था। और इसलिए, यीशु मेल्कीसेदेक के क्रम के अनुसार पुजारी होगा।

पुजारी क्या करता है? पुजारी मूल रूप से, बलिदान प्रणाली, और पंथ, और बलिदान, और त्योहारों के साथ काम करता है। पुजारी भगवान और मनुष्य के बीच मध्यस्थ था। पुजारी वे थे जो टोरा सिखाते थे, जो लोगों को भगवान का वचन सिखाते थे। वे मूल रूप से अपने बलिदानों के माध्यम से लोगों के लिए मध्यस्थता करते थे। लोग मेमने लाते थे, और मेमने मारे जाते थे, और वे उन्हें भगवान को वेदी पर चढ़ाते थे। केवल इस बार, पुजारी एक मेमना नहीं लेने जा रहा है और इसे भगवान को वेदी पर चढ़ाने जा रहा है। इस बार, पुजारी खुद भगवान का मेमना है, और वह खुद को चढ़ाने जा रहा है। और इसलिए, आपको मेल्कीसेदेक के क्रम के बाद यीशु महान महायाजक के रूप में मिलते हैं।

तो मैं बस इसे सरसरी तौर पर करना चाहता हूँ, बस यह कहने के लिए कि जब हम नए नियम को देखते हैं, तो हम कई बिंदुओं पर कहते रहेंगे, "नए नियम की पूर्वसूचना कैसे दी गई है और पुराने नियम को समझने से किस तरह की गहराई आती है जो हमें परंपरा और समझ की गहराई प्रदान करेगी जो हमें नए नियम को गहराई से समझने के लिए चाहिए?" इसलिए हमें पुराने नियम को समझने की आवश्यकता है, क्योंकि उनमें से कई चीजें, भविष्यद्वक्ता, पुजारी और राजा, वे संस्थाएँ सीधे यीशु मसीह के व्यक्तित्व में प्रवाहित होती हैं। संपूर्ण बलिदान प्रणाली, "देखो, परमेश्वर का मेम्रा, जो जगत के पाप को दूर करता है।" और वैसे, यह हमें सीधे बताता है, यीशु का मुख्य कार्य "परमेश्वर का मेम्रा, जो जगत के पाप को दूर करता है।" यीशु रोम को जीतने नहीं जा रहा है। यीशु सामाजिक न्याय के लिए कोई बड़ा आंदोलन नहीं बनाने जा रहा है। यीशु अपने बलिदान के माध्यम से पाप को दूर करने जा रहा है।

E. नए नियम के लेखक - गवाहों की विविधता [9:51-14:31]

बी. एन.टी. गवाह विविधता, सही समय [लघु वीडियो: संयुक्त ई.जी.; 9:51-18:35]

अब, नए नियम में लेखकों की विविधता है। हमारे पास मैथ्यू, मार्क, ल्यूक और जॉन हैं। हमारे पास पॉल हैं और हमारे पास इब्रानियों के लेखक हैं, जो भी हो। आपके पास जूड है, आपके पास पीटर है, और आपके पास जॉन है। ये सभी अलग-अलग लेखक हैं। इसलिए नया नियम वास्तव में काफी विविधतापूर्ण है। नया नियम हमारे पास एक ही दृष्टिकोण से नहीं आता है जिसे यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ाई से संपादित किया गया है कि सब कुछ सहमत हो। नहीं, नया नियम हमारे पास लेखकों के बीच कुछ संघर्षों के साथ आता है, जिस पर वास्तव में लोगों ने सैकड़ों और सैकड़ों वर्षों से चर्चा की है। इसलिए, उदाहरण के लिए, पीटर कैसे कह सकता है कि भगवान नहीं चाहता कि कोई भी नाश हो? पीटर कहता है, "भगवान नहीं चाहता कि कोई भी नाश हो।" लेकिन फिर भी मार्क की पुस्तक में, यह दावा किया गया है कि मसीह ने अपने दृष्टान्तों को कुछ लोगों के पश्चाताप को रोकने के लिए कहा था जिन्होंने इसे सुना था। अतः 2 पतरस 3:9 "परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई नाश हो" की तुलना मरकुस अध्याय 4, पद 12 से करें, जहाँ वह कहता है, "कुछ दृष्टान्तों का उद्देश्य यह था कि लोग यह न समझ सकें कि वह क्या कह रहा था।"

लेखकों के बीच एक और तरह का संघर्ष होगा, "यीशु मूसा के आहार नियमों को कैसे रद्द

कर सकते हैं?" यीशु ने कहा, "अब सब कुछ साफ है" मार्क के सुसमाचार में, मार्क अध्याय 7, श्लोक 15 और 19। लेकिन फिर मैथ्यू में, मैथ्यू दावा करता है, और ल्यूक भी, कि "एक भी अक्षर या छोटा सा टुकड़ा, एक भी बिंदु या छोटा सा टुकड़ा, एक छोटा सा सेराफ, जब तक सब पूरा न हो जाए, तब तक गायब नहीं होगा" मैथ्यू अध्याय 5, श्लोक 18 में। तो एक तरफ, आहार नियम, यीशु आहार नियमों पर नया दृष्टिकोण देता है और पुराने नियम ने जो कहा था उसे बदलता है, लेकिन दूसरी तरफ "जब तक सब पूरा न हो जाए, तब तक व्यवस्था से एक भी अक्षर या छोटा सा टुकड़ा नहीं टलेगा।" आप इन चीजों को कैसे समेटते हैं? क्या उन्हें समेटना है? क्या वे विरोधाभासी हैं या वे पूरक हैं? और इसलिए आप उन दो प्रकार की चीजों को एक साथ कैसे रखते हैं?

एक और है जिसने लोगों को काफी समय तक भ्रमित किया है, और वह है जेम्स। उत्पत्ति 15:6 के आधार पर जेम्स कैसे कह सकता है कि "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया।" जेम्स ने मूल रूप से कहा, "अब्राहम ने अपने विश्वास को केवल विश्वास करके नहीं, बल्कि अब्राहम द्वारा किए गए कार्यों से दिखाया।" अब्राहम ने जो किया वह उसके विश्वास को दर्शाता है, न कि केवल उसके साधारण विश्वास को। यह जेम्स अध्याय 2, श्लोक 22 में है "कार्यों के बिना विश्वास मरा हुआ है," "कार्यों के बिना विश्वास मरा हुआ है।" फिर आप पॉल और पॉल, रोमियों 4:5 और अन्य स्थानों पर जाते हैं, पॉल अब्राहम का वही उदाहरण लेते हैं और कहते हैं, "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया। इसलिए एक व्यक्ति विश्वास से, और केवल विश्वास से ही धर्म ठहराया जाता है।" जेम्स कहते हैं, "नहीं, यह केवल विश्वास से नहीं है, कार्यों के बिना विश्वास मरा हुआ है।" इसलिए आपको इसे साबित करने के लिए कुछ काम करने होंगे, आप सिर्फ यह नहीं कह सकते कि "मुझे विश्वास है" और फिर भागकर जो चाहे कर सकते हैं। लेकिन पॉल कहते हैं, "नहीं, तुम विश्वास से और सिर्फ विश्वास से ही धर्म ठहराए जाओगे, कर्मों से नहीं, ऐसा न हो कि कोई घमंड करे।" तो आप जेम्स और पॉल के बीच सामंजस्य कैसे बिठाते हैं? आप उन चीजों को एक साथ कैसे जोड़ते हैं? अलग-अलग लेखक हैं, अलग-अलग दृष्टिकोण हैं, अलग-अलग परिस्थितियाँ हैं जिन्हें वे संबोधित कर रहे हैं। इसलिए हम चाहते हैं कि, जब हम नए नियम को पढ़ें, तो हम पॉल की अलग-अलग परिस्थितियों और अलग-अलग समस्याओं के प्रति संवेदनशील हों, बनाम जेम्स की समस्याओं के प्रति।

इनमें से कुछ अन्य समस्याएँ हैं : पौलुस कैसे कह सकता है कि न तो कोई दास है और न ही कोई स्वतंत्र? गलातियों 3:28 में, एक बहुत प्रसिद्ध श्लोक है, कि मसीह में न तो कोई दास है और न ही कोई स्वतंत्र, न कोई नर न कोई नारी, मसीह में हम सब एक हैं। और फिर भी उसी समय, वह इफिसियों अध्याय 6, श्लोक 5 में दासों से कहता है कि वे अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञा का पालन करें। पौलुस दासता को समाप्त नहीं करता है। जब आप फिलेमोन की पुस्तक में जाते हैं, तो वह वास्तव में ओनेसिमस को उसके दास स्वामी के पास वापस भेज देता है। इसलिए पौलुस ने दासता की संस्था को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया। लेकिन फिर भी गलातियों अध्याय 3:28 में, वह कहता है, "मसीह में न तो कोई दास है और न ही कोई स्वतंत्र।" तो आपको यह संघर्ष स्वयं पौलुस के भीतर भी मिलता है। आपको पूछना होगा, क्या अलग-अलग परिस्थितियाँ थीं? पौलुस ने अलग-अलग संदेश क्यों कहे?

F. धार्मिक मतभेद [14:32-17:21]

धर्मशास्त्र से एक बात यह है: लूका-प्रेरितों के काम द्वारा समर्थित महिमा का धर्मशास्त्र - लूका-प्रेरितों के काम में महिमा के धर्मशास्त्र के बारे में बात की गई है - क्रूस के धर्मशास्त्र, क्रूस का तिरस्कार और पौलुस के क्रूस के मार्ग के साथ कैसे मेल खाता है? पौलुस क्रूस के धर्मशास्त्र के बारे में बात करता है। लूका-प्रेरितों के काम में महिमा के धर्मशास्त्र के बारे में बात की गई है।

आप उन चीजों को एक साथ कैसे जोड़ते हैं? यह कैसे है कि पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने भविष्य, एक नई वाचा का वादा किया, जहाँ परमेश्वर अपने लोगों को एक नया हृदय देगा? परमेश्वर अपने लोगों को एक नया हृदय देगा, यिर्मयाह से, मेरा मानना है कि अध्याय 31, और उन्हें उनकी भूमि पर पुनः स्थापित करेगा। इसने वादा किया कि यहूदियों को एक नया हृदय मिलेगा, परमेश्वर उनके लिए एक नई वाचा बनाएगा, और वे भूमि पर वापस आ जाएँगे। यह कि पुराने नियम से बिखरे हुए यहूदियों का फैलाव, जब पुराने नियम के दस गोत्र 722 में असीरियन द्वारा बिखरे हुए थे, जहाँ यहूदी 586 में बिखरे हुए थे जब बेबीलोन के लोग आए और उन्हें दानियेल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो और यहजेकेल के साथ बेबीलोन ले गए। इसलिए परमेश्वर कहता है, "मैं तुम्हें भूमि पर वापस लाने जा रहा हूँ और मैं तुम्हें एक नई वाचा देने जा रहा हूँ।" ठीक है, "उन्हें उनकी भूमि पर वापस लौटा दो", लेकिन पौलुस के पत्रों में ऐसा लगता है कि यहूदियों को दोषी ठहराया गया है,

और कई अन्यजातियों के दिलों को फिर से बहाल किया गया है, और यह कि नई वाचा अन्यजातियों पर केंद्रित है। तो आप उन चीजों को एक साथ कैसे लाते हैं, कि अब चर्च में ज्यादातर अन्यजातियों का समावेश है? यहूदी नींव बढ़ती है और दुनिया भर में फैलती है। तो आप पुराने नियम की नई वाचा के वादों को इसराइल के साथ कैसे जोड़ते हैं, चर्च और अन्यजातियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए?

तो, मैं बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि अलग-अलग लोग अलग-अलग दृष्टिकोणों से लिख रहे होंगे, और अलग-अलग परिस्थितियों से आ रहे होंगे। और इसलिए नया नियम एक अखंड, एकल संपादित पुस्तक नहीं है जिसे सावधानीपूर्वक संपादित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर कोई एक-दूसरे से सहमत हो। बाइबल के बारे में एक अद्भुत बात यह है कि उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को खुद के लिए बोलने दिया और उन्होंने संघर्षों को रहने दिया। उन्होंने चीजों को सामंजस्य और सुचारू करने की कोशिश नहीं की, उन्होंने विभिन्न लेखकों की खुरदरापन और उथल-पुथल को वैसे ही रहने दिया जैसा वह था। यह एक तरह की पुष्टि है कि यह पुस्तक ईश्वर का वचन है, और किसी ने इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की। उन्होंने बस चीजों को रहने दिया, उन्होंने इसे सुचारू करने की कोशिश नहीं की, उन्होंने इसे वैसे ही रहने दिया जैसा वह था। इसलिए जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम विभिन्न लेखकों के बीच इन तनावों को देखना और समझना चाहेंगे। मोटे तौर पर, विभिन्न लेखक अलग-अलग दृष्टिकोणों और अलग-अलग व्यक्तित्वों से लिखते हैं। वे अलग-अलग परिस्थितियों से लिखते हैं। वे अलग-अलग समस्याओं पर बात कर रहे हैं और हम अलग-अलग लेखकों की अलग-अलग समस्याओं को समझने की कोशिश करेंगे।

G. यीशु सही समय पर [17:22-18:35]

खैर, चलिए अब कुछ सांस्कृतिक बदलाव करते हैं। हम कुछ सवाल पूछना चाहते हैं - और मैं सबसे पहले इस आयत को रखना चाहता हूँ। यह गलातियों, पॉल के गलातियों के अध्याय 4, आयत 4 से एक अविश्वसनीय आयत है। इसमें यह कहा गया है: "लेकिन जब सही समय आया, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा, व्यवस्था के अधीन, ताकि व्यवस्था के अधीन लोगों को छुड़ाए।" "लेकिन जब सही समय आया।" मैं इस पाठ्यक्रम के पहले भाग में ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ, वास्तव में इस "सही समय पर" पर एक विस्तृत व्याख्यान देना चाहता हूँ। इसमें कहा गया

है, "लेकिन जब सही समय आया," यीशु सही समय पर आए। मुझे पता है कि हम सोचते हैं, "यीशु 21वीं सदी में क्यों नहीं आ सकते थे, और हम उन्हें टीवी पर दिखा सकते थे और इंटरनेट के माध्यम से पूरी दुनिया में उनका प्रसारण कर सकते थे," या कुछ और। नहीं, इसमें कहा गया है, यीशु "बिल्कुल सही समय पर आए।" इसलिए हम समय की बात को स्थापित करना चाहते हैं, और हम देखना चाहते हैं कि कैसे परमेश्वर की दैवी देखभाल से पता चलता है कि यीशु "बिल्कुल सही समय पर आया" - गलातियों अध्याय 4।

H. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में प्रश्न [18:36-22:21]

सी. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक संदर्भ [लघु वीडियो: संयुक्त HI; 18:36-25:27]

ऐसा करते समय, हम कुछ प्रारंभिक प्रश्न पूछ सकते हैं। हम एक ऐतिहासिक अध्ययन करना चाहते हैं, इसलिए हम मूल रूप से नए नियम से बाहर निकलकर नए नियम से पहले के ऐतिहासिक अध्ययन पर काम करेंगे। हम मूल रूप से 400 ईसा पूर्व से लेकर मलाकी तक के बारे में ज़्यादा नहीं जानते, मैं अक्सर उसे "मलाकी: इतालवी पैगंबरों में से अंतिम" कहता हूँ। ईसा का जन्म संभवतः 5 ईसा पूर्व में हुआ होगा। और आप कहते हैं, "अच्छा, ईसा का जन्म 0 ईसा पूर्व में क्यों नहीं हुआ, क्योंकि यह 'ईसा पूर्व: ईसा से पहले, हमारे प्रभु का वर्ष; ईस्वी: बाद में' था?" वास्तव में, जिस व्यक्ति ने ईसा पूर्व-ईस्वी प्रणाली का पता लगाया, वह लगभग 625 ईस्वी में था, और इसलिए वह ईसा के 600 साल बाद था। जब उसने वापस आकर चीजों का पता लगाया, तो वास्तव में वह चूक गया। आप समझ सकते हैं, वह व्यक्ति 600 साल बाद का है और उसके पास वह सारी तकनीक नहीं है जो हमारे पास है। जब उसने इसका पता लगाया, तो वह चूक गया। और अब हम विभिन्न तरीकों से, मेरा मानना है कि यह एक ग्रहण के माध्यम से हुआ था, इन ग्रहणों से हम यह पता लगा सकते हैं कि हेरोदेस की मृत्यु कब हुई थी। हेरोदेस की मृत्यु लगभग 4 ईसा पूर्व हुई थी, और इसलिए यीशु को हेरोदेस की मृत्यु से पहले आना पड़ा। इसलिए यीशु का जन्म संभवतः लगभग 5 ईसा पूर्व हुआ था। कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन 625 में जब वह ईसा-ईसवी प्रणाली का पता लगा रहा था, तो वह 5 साल या उससे भी कम समय में चूक गया। अब हम इसे थोड़ा बेहतर तरीके से समझ गए हैं। मुद्दा यह है कि मलाकी 400 ईसा पूर्व है, मसीह लगभग 0 है। हमारे पास

लगभग 400 वर्ष हैं जिन्हें वे "मौन वर्ष" कहते हैं। ये वे 400 वर्ष हैं जो नियमों के बीच हैं। वास्तव में, वे वास्तव में मौन वर्ष नहीं थे। उस अवधि से बहुत सारा साहित्य है, और हम कुछ इतिहास और चीजों को देखना चाहते हैं जो नए नियम को स्थापित करते हैं।

तो, उदाहरण के लिए, पुराना नियम हिब्रू और अरामी में क्यों लिखा गया है? पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता और मूसा हिब्रू बोलते थे, और इसलिए यह हिब्रू में है। वे बेबीलोन गए और अरामी सीखी। इसलिए पुराने नियम में हिब्रू और अरामी दोनों बोली जाती हैं। कुछ पुस्तकों, डैनियल और एस्तेर में अरामी है। इसलिए, यह ज्यादातर हिब्रू है, अंत में थोड़ी अरामी है। जब आप नए नियम पर आते हैं, तो नया नियम ग्रीक में लिखा गया है। ग्रीक हिब्रू से बहुत अलग है। हिब्रू एक सेमिटिक भाषा है, वे दाएँ से बाएँ पढ़ते हैं, न कि जैसा कि हम बाएँ से दाएँ पढ़ते हैं। और ग्रीक के रूप में। हिब्रू और अरामी, दोनों सेमिटिक भाषाएँ वास्तव में आज की अरबी से कुछ मायनों में बहुत समान हैं। दूसरी ओर, ग्रीक एक पश्चिमी भाषा है। यह बाएँ से दाएँ पढ़ी जाती है। ग्रीक लैटिन के लिए पृष्ठभूमि की भूमिका निभाता है। लैटिन ने ग्रीक से बहुत कुछ सीखा है, और अंततः लैटिन रोमांस भाषाओं में आ गया है, और यहाँ तक कि अंग्रेजी ने एंग्लो-सैक्सन और अन्य चीजों के साथ मिश्रित लैटिन का कुछ हिस्सा अपनाया है। तो मूल रूप से, हिब्रू और अरामी से ग्रीक में बदलाव किस वजह से हुआ? वह भाषा बदलाव, अब आप कहते हैं, "ठीक है भाषा उतनी महत्वपूर्ण नहीं है।" खैर, नंबर एक, भाषा महत्वपूर्ण है, और भाषा इस बात को प्रभावित करती है कि किस तरह की चीजें संप्रेषित की जाती हैं और उन्हें कैसे संप्रेषित किया जाता है। लेकिन एक सेमिटिक भाषा से पश्चिमी भाषा में भाषा का बदलाव भी संस्कृति में बदलाव को दर्शाता है, एक पूर्वी संस्कृति, एक सेमिटिक संस्कृति, एक निकट-पूर्वी संस्कृति: इराक, अफगानिस्तान, सीरिया, लेबनान, बहुत पूर्वी; एक पश्चिमी, यूरोपीय, रोमन, ग्रीक तरह के तरीके से। वे दो अलग-अलग संस्कृतियाँ हैं। लोग अलग-अलग तरीकों से सोचते हैं, वे अलग-अलग तरीकों से संवाद करते हैं। तो हिब्रू और अरामी से ग्रीक में बदलाव किस वजह से हुआ?

I. संस्कृति/धार्मिक संदर्भ के बारे में प्रश्न [22:21-25:27]

एक और सवाल जो सामने आता है, "जब उन्हें हेलेनिस्टिक या ग्रीक संस्कृति में संक्रमण करना पड़ा, तो सेमिटिक हिब्रू संस्कृति में क्या महत्वपूर्ण बदलाव हुए?" ग्रीक संस्कृति मूल रूप से

सिकंदर महान पर आधारित है, जैसा कि हम देखने जा रहे हैं - या मैं उसे अलेक्जेंडर द ग्रेप कहता हूँ। लेकिन जैसा कि हम देखते हैं कि बदलाव पश्चिमी हेलेनिस्टिक की ओर है। इससे चीजों पर क्या असर पड़ता है? मलाकी (400 ईसा पूर्व) और नए नियम के समय के बीच क्या हुआ? और वास्तव में नए नियम का अधिकांश भाग लगभग 50 ईस्वी से 90 या 95 ईस्वी तक लिखा गया था, इसलिए इसे 400 ईसा पूर्व से लगभग 50 से 90 ईस्वी तक लिखा गया है। उस अंतरिम अवधि में क्या हुआ?

आराधनालय जैसी चीज़ कहाँ से आई? जब आप पुराने नियम में होते हैं तो आप आराधनालयों के बारे में नहीं पढ़ते हैं। जब आप यीशु के बारे में पढ़ते हैं तो आप पढ़ते हैं कि यीशु आराधनालय में जाते रहते हैं, आराधनालय से बाहर निकाले जाते हैं, और आराधनालय में जाते रहते हैं। पॉल आराधनालय में जाएगा, उपदेश देगा, और फिर उसे पीटा जाएगा और इस तरह की कई चीज़ें होंगी। इसलिए पॉल आराधनालय में अपना मंत्रालय शुरू करेगा। आराधनालय कहाँ से आया? यह पुराने नियम में नहीं था, पुराना नियम मंदिर पर केंद्रित है। अब अचानक नए नियम में हमें मंदिर और आराधनालय मिल गए हैं। वहाँ क्या हुआ?

सामरी कौन हैं और यहूदियों और सामरी लोगों के बीच इतनी दुश्मनी क्यों है? ऐसा लगता है कि वे एक-दूसरे से नफरत करते हैं। कुछ जगहों पर वे एक-दूसरे को मार भी देते हैं। तो सामरी, इसमें क्या है? सामरी लोग यहूदियों से क्यों नफरत करते हैं, यहूदी लोग सामरियों से क्यों नफरत करते हैं?

फरीसियों और सदूकियों के बारे में क्या? अब हम नए नियम में देखते हैं, यीशु फरीसियों से बात करते हैं और कई बार फरीसियों को फटकारते हैं, लेकिन अन्य बिंदुओं पर फरीसी, आपको अरिमथिया के यूसुफ या निकोडेमस जैसे व्यक्ति रात में यीशु के पास आते हैं जो फरीसियों के नेता हैं। और इसलिए फरीसी - पॉल अंततः "फरीसी के फरीसी" बन जाएंगे। तो एक तरफ फरीसी यीशु का विरोध करते दिखते हैं, लेकिन दूसरी तरफ उनका संदेश यह है कि बहुत से धर्मातरित लोग फरीसीवाद से आते हैं। फरीसी और सदूकी के बीच संघर्ष क्यों है? फरीसी और सदूकी कौन हैं और उनमें क्या अंतर है? तो हम उन चीजों को देखेंगे। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं, इसलिए अब हम आगे बढ़ेंगे और मसीह के समय से 400 साल पहले का अध्ययन करेंगे।

ठीक है, तो हम यहाँ इन बिंदुओं के बारे में बात कर रहे थे, और मैंने बटन दबाया नहीं है, और इसलिए मैं बिंदुओं से चूक गया, लेकिन यही वह है जिसके बारे में हम अभी बात कर रहे थे। यहाँ आराधनालय है, आराधनालय कहाँ से आया? यहाँ सामरी हैं, सामरी यहूदियों से क्यों नफरत करते थे? यहूदी सामरियों से क्यों नफरत करते थे, और इसके विपरीत? केवल फरीसी और सदूकी ही नहीं, बल्कि वैसे, फरीसी और सदूकी के अलावा अन्य समूह भी थे? ऐसे अन्य समूह भी थे जो केवल फरीसी और सदूकी नहीं थे, और हम उनमें से कुछ पर भी नज़र डालना चाहते हैं।

जे. फ़ारसी साम्राज्य का भूगोल [25:27-28:50]

D. फ़ारसी साम्राज्य, बेबीलोन, एशिया माइनर, ग्रीस का भूगोल

[लघु वीडियो: संयुक्त जेएल; 25:27-36:33]

लेकिन ऐसा करने से पहले, हमें यह समझना होगा कि नया नियम कोइन ग्रीक में लिखा जाएगा। हम इसके बारे में बाद में थोड़ा और बात करना चाहेंगे। चूंकि भाषा इस बात को प्रभावित करती है कि आप किसी पाठ को कैसे समझते हैं, मूल भाषा के आधार पर, इस मामले में ग्रीक, कोइन ग्रीक।

तो भूगोल: जहाँ चीजें हैं, वहाँ की स्थापना बहुत प्रभावित करती है, संस्कृति और चीजें भूगोल के आधार पर स्थापित की जाती हैं। मैं बफ़ेलो/नियाग्रा फॉल्स, न्यूयॉर्क नामक स्थान पर बड़ा हुआ। बफ़ेलो/नियाग्रा फॉल्स, न्यूयॉर्क, वहाँ की संस्कृति का क्या हिस्सा है? बर्फ, सर्दी मैंने लोगों के घरों पर बर्फ के ढेर देखे हैं। आप न्यू इंग्लैंड आते हैं, क्या न्यू इंग्लैंड में बातचीत का चरित्र बहुत अलग है? क्या न्यूयॉर्क शहर लॉस एंजिल्स से अलग है? क्या लुइसियाना, क्या न्यू ऑरलियन्स की संस्कृति शिकागो की संस्कृति से अलग है? क्या शिकागो की संस्कृति मियामी की संस्कृति से अलग है? और इसलिए, अमेरिका में भी, आप विभिन्न क्षेत्रों को देख सकते हैं, लोगों का चरित्र अलग है, वे कैसे सोचते हैं और किस बारे में सोचते हैं। इसलिए भूगोल हमें संस्कृति और वे कहाँ से हैं, के संबंध के आधार पर किसी को समझने की एक और लगभग भाषा प्रदान करेगा।

तो, चलिए फिर कुछ नक्शे देखते हैं। यह हमारा पहला नक्शा है, और मैं बस इसके माध्यम से चलना चाहता हूँ। यह फ़ारसी साम्राज्य कहलाने वाले नक्शे का नक्शा है। हम साइरस महान को देखने जा रहे हैं, वह हमारे महान फ़ारसी लोगों में से एक होने जा रहा है। उसके बाद डेरियस

नामक एक और महान व्यक्ति आने वाला है, जो इसे व्यवस्थित करने जा रहा है, और फिर ज़ेरेक्सेस, जो वैसे, एस्तेर से शादी करने जा रहा है, और अर्तक्षत्र, यह एज्रा-नेहेमिया के समय के बारे में है। तो फ़ारसी साम्राज्य काफी हद तक यहाँ है। अब मध्य पूर्व में हमारी भागीदारी के कारण, इनमें से कुछ चीज़ें आपको पता होंगी। तो चलिए मैं यहाँ से शुरू करता हूँ, सबसे दूर पूर्व में। यहाँ सिंधु नदी है, भारत में सिंधु नदी यहाँ होगी, यह सिंधु नदी, और यह मूल रूप से वह जगह है जहाँ अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान इस क्षेत्र में हैं। अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान। जैसे ही आप इस ओर बढ़ते हैं, यह ईरान का क्षेत्र है। ईरान। और अब यह समझना बहुत ज़रूरी है कि ईरानी अरब नहीं हैं, वे सेमिटिक नहीं हैं। वे वास्तव में कोकेशियन हैं, उनमें से बहुत से रूस से आए हैं। तो मूल रूप से, ये फ़ारसी होंगे। फ़ारसी, आज ईरान देश की पृष्ठभूमि हैं। तो फ़ारसी सेमिटिक पृष्ठभूमि के नहीं हैं, वे कोकेशियन या आर्यन पृष्ठभूमि के हैं, सेमिटिक नहीं। तो, यहीं से फ़ारस की शुरुआत होगी, मेदो-फ़ारस में। बेहिस्टन शिलालेख यहाँ लिखा है, सुसा यहाँ होगा, और फ़ारस यहाँ होगा। अब ये पहाड़ हैं। यहाँ एक पहाड़ी इलाका है, और फिर पहाड़ों से आप घाटी में उतरते हैं। यह घाटी इतनी चौड़ी होगी, जिसे वे यहाँ उपजाऊ अर्धचंद्र कहते हैं। मूल रूप से आपके पास फ़रात नदी और टिगरिस नदी है। मैं हमेशा इन्हें याद रखता हूँ, ताकि मैं उन्हें भ्रमित न करूँ, ET क्या आपको फ़िल्मों में ET याद है? ET, तो यह फ़रात है, टिगरिस।

K. नए नियम का अधिक भूगोल: अशूर, बेबीलोन, सीरिया, एशिया माइनर [28:50-34:08]

और मोटे तौर पर यहीं असीरिया में निनवे नामक एक जगह होगी। हम योना और व्हेल से निनवे से परिचित हैं, और उस तरह की चीज़ें। तो असीरियन निनवे यहाँ ऊपर होगा, और फिर बेबीलोन यहाँ नीचे होगा। बेबीलोन की छवि रहस्योद्घाटन की पुस्तक में भी प्रतिध्वनित होगी। तो हम इसे नए नियम के अंत में उठाएंगे, और अभी भी यहीं से पुराने बेबीलोन की प्रतिध्वनियाँ हैं। तो, यह टिगरिस और यूफ़्रेट्स नदी है। उपजाऊ अर्धचंद्राकार वह जगह है जहाँ अब्राहम था, उपजाऊ अर्धचंद्राकार; सीरिया में नीचे आ रहा है। इज़राइल के उत्तर में सीरिया, आज भी सीरिया है। यह एशिया माइनर होने जा रहा है, वे इसे एशिया माइनर या तुर्की कहने जा रहे हैं। हम इसे आज तुर्की कहेंगे। फिर हम इज़राइल में आते हैं, और निश्चित रूप से, इज़राइल यहाँ स्थित है। दमिश्क सीरिया

की राजधानी है। यरुशलम इज़राइल में राजधानी है। तो दमिश्क और यरुशलम, और ये दोनों इसमें शामिल होंगे। आप आमतौर पर अपने पड़ोसियों से लड़ते हैं, इसलिए वे यहां अपने पड़ोसियों से लड़ेंगे, सीरिया बनाम इजरायल।

फिर यहाँ मिस्र में आते हैं। मिस्र "नील नदी का उपहार" है। मिस्र प्राचीन दुनिया का "अन्न भंडार" भी है। इसलिए मिस्र ने गेहूँ, जौ प्रदान किया - जिसे प्राचीन दुनिया का "अन्न भंडार" माना जाता है। यह "नील नदी का उपहार" है क्योंकि यहाँ पूरा सहारा रेगिस्तान है। आप जहाँ भी देखें, यह भूरा, भूरा, भूरा है, सिवाय नील नदी के इस छोटे से रिबन के। नील नदी, यहीं पर फिरौन, और मिस्र, और "मेरे लोगों को जाने दो" और सभी पलायन हुए। यहाँ मेम्फिस है, मैं हमेशा लोगों को बताता हूँ कि मेम्फिस वह जगह है जहाँ राजा को दफनाया गया है। बेशक, मैं दूसरे राजा के बारे में बात कर रहा हूँ - एल्विस, लेकिन यह मेम्फिस, टेनेसी है। और फिर एलिफेंटाइन। यहाँ एलिफेंटाइन में कुछ यहूदी वास्तव में बिखरे हुए थे। उन्होंने यहाँ एलिफेंटाइन नामक इस स्थान पर कुछ यहूदी अवशेषों की खोज की है। यहाँ से बहुत नीचे, दक्षिण में, इस स्थान को एलिफेंटाइन कहा जाता है। वहाँ कुछ यहूदी बिखरे हुए होंगे। बहुत पहले से ही उन्होंने जो कुछ बनाया था, उसमें से कुछ एलीफैंटिनी पपीरस होगा, जो नीचे तक पहुँच गया है। तो हम वहाँ जा रहे हैं।

लीबिया यहाँ है। हम लीबिया को मुअम्मर गद्दाफी और वहाँ जो कुछ हुआ उसके कारण जानते हैं। यहाँ फ़ारस की खाड़ी है। मैं हमेशा लोगों को फ़ारस की खाड़ी के बारे में बताता हूँ। यहाँ, यहाँ थोड़ा बहुत तंग इलाका है, यह होर्मुज जलडमरूमध्य है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब वही है जिसे ईरानी, जो यहाँ हैं, फ़ारसियों के वंशज हैं, बंद करने की धमकी दे रहे हैं, और यहीं से सारा तेल निकलता है। इसलिए वहाँ से एक टन तेल निकलता है, और अगर वे बंद कर देते हैं, तो आप वहाँ होर्मुज जलडमरूमध्य देख सकते हैं। इसलिए हमने अपने विमान वाहक वहाँ खड़े कर दिए हैं, ताकि अरब सागर और अन्य चीज़ों के लिए इस मार्ग को खुला रखा जा सके।

तो, वापस ऊपर आते हैं, यहाँ ग्रीस है। यहाँ एथेंस है। एथेंस - पार्थेनन, प्लेटो, अरस्तू, सुकरात, इस तरह की सभी चीज़ें। स्पार्टन्स - स्पार्टन्स यहाँ नीचे होंगे, माउंट ओलिंपस यहाँ पर। यूनानी यहाँ पर हैं। तो जो हो रहा है वह यह है कि फारसियों, जिनके पास यह पूरा साम्राज्य है, अब देखो, उन्होंने वास्तव में मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया है। वे ग्रीस पर कब्ज़ा करना चाहेंगे। तो लगातार

लड़ाई होने वाली है, ज़ेरेक्सेस और अन्य, फारसी साम्राज्य के बीच जो इस तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहा है, और यूनानी उन्हें बाहर रखने की कोशिश कर रहे हैं। तो मूल रूप से यह फारसी साम्राज्य को जीतने की लड़ाई होगी। फिर यूनानी फारसियों को हराने जा रहे हैं। आप देख सकते हैं कि कितना बड़ा साम्राज्य है, यूनानी, यहाँ ग्रीस की यह छोटी सी चीज़, इस पूरे साम्राज्य पर कब्ज़ा करने जा रही है। यहीं पर सिकंदर महान की भूमिका आएगी।

अब चलिए इस पर एक और नज़र डालते हैं। यह एक तरह से इसकी सैटेलाइट इमेज है। मुझे यह तस्वीर इसलिए पसंद है, क्योंकि यहाँ आप ईरान के ज़ाग्रोस पर्वतों को साफ़-साफ़ देख सकते हैं। और आप देख सकते हैं कि ईरानी इस पहाड़ी इलाके में कैसे रहते हैं। इराक उपजाऊ मैदान में है। तो क्या होता है, पहाड़ी लोग हमेशा मैदानों में आते हैं, मैदानों को जीतना चाहते हैं। मैदानी लोग हमेशा पहाड़ के लोगों को पहाड़ों पर ही रखना चाहते हैं। तो यह ईरान बनाम इराक है, और यह सचमुच हज़ारों सालों से चल रहा है। तो यह ईरान, इराक है। यहाँ बेबीलोन है, ऊपर निनवेह है, और यहाँ सीरियाई रेगिस्तान है। यहाँ दमिश्क और यरुशलम है और दमिश्क और यरुशलम के बीच आज भी संघर्ष चल रहा है। यहाँ एशिया माइनर है, ऊपर तुर्की है, यहाँ नीचे सिनाई प्रायद्वीप है। फिर आप नील नदी और नील नदी डेल्टा का यह खूबसूरत शॉट देख सकते हैं। फिर यहीं एक शहर होगा जो बाद में बहुत महत्वपूर्ण होगा, और इसे अलेक्जेंड्रिया कहा जाएगा। और मिस्र के लोग, टॉलेमी, इस अलेक्जेंड्रिया का निर्माण करेंगे, जिसका नाम सिकंदर के नाम पर रखा जाएगा। यहीं पर प्राचीन दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी होगी। यह प्राचीन दुनिया की कांग्रेस की लाइब्रेरी है। तो ये एक तरह के नक्शे हैं, और हम प्रेरित पौलुस के साथ आगे-पीछे की गतिविधियों को देखेंगे। प्रेरित पौलुस दमिश्क की सड़क पर होगा, और यहीं पर उसे अपना धर्मांतरण अनुभव होगा। सीरिया में अन्ताकिया वह स्थान होगा जहाँ ईसाइयों को पहली बार ईसाई कहा जाएगा। वे इस क्षेत्र से दुनिया भर में मिशनरियों को भेजेंगे। तो हम नए नियम में उनके साथ विभिन्न बिंदुओं पर विभिन्न संबंध देखेंगे।

L. प्राचीन ग्रीस का भूगोल [34:09-36:32]

यहाँ ग्रीस का नज़दीक से नज़ारा है। मैं यहाँ दो क्षेत्रों के बारे में बात करना चाहता हूँ। मोटे तौर पर, यह तुर्की का पश्चिमी भाग है। और आपके पास पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, स्मिर्ना,

फिलाडेल्फिया और लौदीकिया जैसे शहर होंगे। जब मैं उन नामों का जिक्र करता हूँ, तो वे परिचित लग सकते हैं। यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक है, जो तुर्की के पश्चिमी भाग में सात कलीसियाओं को संबोधित करती है। यहाँ इफिसुस है, इफिसुस में पॉल ने इफिसुस की कलीसिया को इफिसियों को लिखा था। तो मूल रूप से यह तुर्की का पश्चिमी भाग है, पॉल अपनी तीसरी मिशनरी यात्रा में बाद में इफिसुस में तीन साल बिताने जा रहे हैं। फिर आप वहाँ से उत्तर की ओर जाते हैं, और यहीं मैसेडोनिया है। मैसेडोनिया, मैसेडोन के फिलिप, सिकंदर वहाँ से थे। यहीं फिलिप्पी होगा। फिलिप्पी का नाम मैसेडोन के फिलिप, सिकंदर के पिता के नाम पर रखा गया है। मैसेडोनिया, थेसालोनिकी, बेरिया, ये वे कलीसियाएँ हैं जिन्हें पॉल ने वहाँ स्थापित किया था। मूल रूप से वे पॉल को उनके मंत्रालय में काफ़ी हद तक सहायता करेंगे। अब पॉल यहाँ आने वाला है क्योंकि वह एथेंस जाना चाहता है। एथेंस वह जगह है जहाँ बहुत सारे शास्त्रीय ग्रीक हैं: आपके प्लेटो, आपके अरस्तू और आपके सुकरात - एथेंस, शास्त्रीय सामान। और यहाँ कोरिंथ है, ठीक कोरिंथियन खाड़ी में यहाँ आ रहा है, यहाँ अचिया और मूल रूप से पेलोपोनेसस का विभाजन है। स्पार्टा दक्षिण में बहुत नीचे स्थित होने जा रहा है। इसलिए स्पार्टन और एथेनियन यहाँ और यहाँ एक दूसरे से लड़ने जा रहे हैं, आगे-पीछे जा रहे हैं, और इसलिए कोरिंथ ठीक बीच में है। आपको उस छोटे से इस्थमस के माध्यम से दोनों तरफ से ट्रैफ़िक मिलेगा जो यहाँ से होकर जाता है। यहाँ माउंट ओलिंपस भी है, आप में से कुछ लोग शायद माउंट ओलिंपस, ज़ीउस और उस तरह की सभी चीज़ों से परिचित होंगे। तो स्पार्टा, एथेंस, कोरिंथ। कोरिंथ, पॉल कोरिंथियन को पत्र लिखने जा रहा है, पॉल वहाँ डेढ़ साल बिताने जा रहा है। तो यह ग्रीस है: मैसेडोनिया, अचिया, स्पार्टा के साथ पेलोपोनीज़, और मूल रूप से वे आगे-पीछे जा रहे हैं और हम विभिन्न चीज़ें देखेंगे। यह यहाँ एजियन सागर क्षेत्र है। एजियन सागर और भूमध्य सागर यहाँ हैं। तो यह कई मानचित्रों का एक व्यापक अवलोकन है, ताकि हम भौगोलिक रूप से अपने पैरों पर खड़े हो सकें क्योंकि आगे क्या होने वाला है।

एम. फारसियों का उदय [36:33-40:05]

ई. राइज़ ऑफ़ पर्शिया: साइरस बीबीबीएल

[लघु वीडियो एमएस संयुक्त; 36:33-56:38]

अब, मैं भूगोल से हटकर इस अवधि के इतिहास के कुछ अंशों को पढ़कर इतिहास की ओर लौटना चाहता हूँ। तो मैं फारसियों के उदय से शुरू करता हूँ। नीनवे में योना के साथ क्या हुआ और इस तरह की अन्य बातें? आपके पास पुराने नियम के प्रमुख आंदोलन हैं। नीनवे (अशशूर) 612 ईसा पूर्व में गिरने वाला था। योना अशशूर में नीनवे जाता है और योना अशशूरियों को भविष्यवाणी करता है और वह मूल रूप से कहता है, "नीनवे, पश्चाताप करो।" देखो और देखो, नीनवे के लोग, जो वास्तव में बहुत क्रूर हैं, योना के उपदेश पर पश्चाताप करते हैं। क्या ऐसा नहीं लगता कि यीशु ने कुछ ऐसा ही कहा था? यीशु अपनी पृष्ठभूमि के लिए योना का उपयोग करते हैं। इसलिए उन्होंने योना के उपदेश पर पश्चाताप किया, और फिर भी नहूम, कुछ वर्षों बाद, अशशूर के खिलाफ फिर से भविष्यवाणी करता है कि परमेश्वर नीनवे को नष्ट करने जा रहा है। और निश्चित रूप से, 612 ईसा पूर्व में, बेबीलोन के लोग दक्षिण से, बेबीलोन से आए, उत्तर की ओर टिकरित क्षेत्र में गए जहाँ आज इराक में कुर्द हैं और निनवे को हराया, 612 ईसा पूर्व, निनवे का सफाया हो गया। वैसे, यह कहा जाता है कि "तब से ही यह निष्क्रिय पड़ा हुआ है।" पुरातत्वविद वहाँ गए हैं और निनवे में कुछ बेहतरीन पुरातत्व कार्य किए हैं। लेकिन 612 में, निनवे बेबीलोन के हाथों में चला गया, और अब बेबीलोन के लोग नए प्रभारी हैं। असीरिया ने सामरिया पर कब्जा कर लिया और 722 ईसा पूर्व में इज़राइल की दस उत्तरी जनजातियों को तितर-बितर कर दिया।

इसलिए बेबीलोन के लोग कब्जा कर रहे हैं। यह ठीक वही समय है जब दानियेल, शद्रक, मेशक, यिर्मयाह पुराने नियम में इस समय के दौरान भविष्यवाणी कर रहे हैं। मूल रूप से यहूदी बेबीलोन के खिलाफ विद्रोह करते हैं। बेबीलोन, नबूकदनेस्सर, आपको उनमें से कुछ कहानियाँ याद होंगी, लगभग 605-597 में कुछ बुद्धिजीवियों को बेबीलोन ले जाता है। यहूदियों ने आखिरकार विद्रोह कर दिया, और नबूकदनेस्सर को बहुत कुछ सहना पड़ा, और मूल रूप से वे अंदर गए और 586 ईसा पूर्व में मंदिर को नष्ट कर दिया। पुराने नियम से हमने पुराने नियम में केवल चार बुनियादी तिथियाँ सीखीं। उनमें से एक यह थी कि अब्राहम 2000 ईसा पूर्व था, डेविड 1000 ईसा पूर्व था। अन्य तिथियों में से एक जो हमने सीखी वह 586 ईसा पूर्व थी जब पहला मंदिर नष्ट हुआ था। यह पहला

मंदिर सोलोमन द्वारा बनाया गया था, इसे सोने से मढ़ा गया था, यह शानदार था। इसे बेबीलोन के लोगों ने 586 में नष्ट कर दिया, उन्होंने इसे समतल कर दिया। उन्होंने मंदिर को समतल कर दिया, और पूरी चीज़ को गिरा दिया। उन्होंने लोगों को बंदी बना लिया, उन्हें बेबीलोन ले जाया गया। यिर्मयाह ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि वे 70 साल तक बेबीलोन में रहेंगे क्योंकि उन्होंने सब्त के नियम का पालन नहीं किया था। परमेश्वर कहते हैं, "मेरी भूमि को विश्राम मिलेगा।" उन्होंने 490 वर्षों तक भूमि को विश्राम नहीं दिया, और परमेश्वर 70 वर्षों के लिए कहते हैं, "मैं तुम्हें भूमि से बाहर निकाल दूंगा, भूमि को विश्राम दो।" उस समय बेबीलोन में यहूदियों का न्याय किया गया, और लोगों को बेबीलोन, नबूकदनेस्सर को निर्वासित कर दिया गया, और मंदिर नष्ट हो गया।

अब जब मंदिर नष्ट हो गया है, तो यहूदी लोग पूरी तरह से घबरा गए हैं क्योंकि मंदिर ही वह जगह थी जहाँ वे ईश्वर की पूजा करते थे। ईश्वर को उन्हें नबूकदनेस्सर से बचाना चाहिए था, और अब मंदिर ध्वस्त हो गया है। इससे कई तरह के सवाल उठते हैं कि ईश्वर कितना शक्तिशाली है? क्या यहोवा/याहवे उतना ही शक्तिशाली है जितना हमने सोचा था? खैर, वह यरूशलेम में खुद की रक्षा नहीं कर सका, और अब मंदिर भी नष्ट हो गया है। और इसलिए यह यहूदी धर्म के लिए बहुत चिंतन का समय है, क्या हुआ, क्या गलत हुआ?

फारस के महान साइरस [40:06-42:41]

कुछ लोगों का मानना है कि ¹ और ² राजाओं की पुस्तकें लोगों को यह बताने का एक जवाब हैं कि क्या गलत हुआ; तुम लोगों ने पाप किया, तुमने प्रभु को अस्वीकार किया, तुमने उनकी वाचा को तोड़ा और क्योंकि तुमने उनकी वाचा को तोड़ा, इसलिए परमेश्वर का न्याय तुम पर आया। इसलिए तुम्हें बेबीलोन ले जाया गया; ऐसा नहीं था कि परमेश्वर कमज़ोर था, परमेश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा कर रहा था। उसने तुमसे कहा कि वह तुम्हें देश से बाहर निकाल देगा; क्या तुम्हें व्यवस्थाविवरण अध्याय 28 और लैव्यव्यवस्था की पुस्तक से आशीर्वाद और शाप याद हैं? आशीर्वाद और शाप। उन्होंने वाचा को अस्वीकार कर दिया था इसलिए परमेश्वर उन्हें देश से बाहर निकाल देता है; यह 586 है, वे 70 साल के लिए बाहर चले जाते हैं। इसलिए अब वे बेबीलोन में बैठे हैं, यहूदी बेबीलोन में बैठे हैं, यहजेकेल और दानियेल। अचानक 539 में, बेबीलोन साइरस के हाथों में चला जाता है।

साइरस महान आता है और सत्ता संभालता है। यह साइरस - वह वास्तव में साइरस द्वितीय है, लेकिन उसे साइरस महान कहा जाता है - वह 539 में आता है और बेबीलोन फारसियों के हाथों में चला जाता है जो ईरान के पहाड़ों से उतरकर इराक के मैदानों में आते हैं और बेबीलोन पर कब्जा कर लेते हैं। साइरस, जो मेदो-फारसियों का राजा है, वहाँ एक तरह का संयुक्त साम्राज्य है, मेदो-फारसियों का। मेद और फारसी एक साथ मिल गए। साइरस उन्हें बेबीलोन ले जाता है और वे 539 में बेबीलोन को हरा देते हैं।

तो हम साइरस को देखना चाहते हैं। ईरानी या आर्यन गैर-सेमिटिक हैं, इसलिए साइरस बेबीलोनियों की तरह सेमिटिक नहीं है; इसलिए यह सांस्कृतिक रूप से एक बदलाव है। अब मैं साइरस के बारे में बात करना चाहता हूँ, साइरस के लिए 539, वह फ़ारसी साम्राज्य का पहला प्रमुख राजा था और मैं इस फ़ारसी काल पर चर्चा करना चाहता हूँ, जो 539 से शुरू होगा जब साइरस बेबीलोन को 333 ईसा पूर्व तक ले जाता है। अब मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ कि 333 ईसा पूर्व उन तिथियों में से एक है जो मैं चाहता हूँ कि आप जानें। 333 ईसा पूर्व 666 का आधा है, है न। 333 किसकी संख्या है? 333 ईसा पूर्व सिकंदर महान है। और इसलिए यह एक ऐसी तिथि है जिसे मैं आपके दिमाग में बसा लेना चाहता हूँ। तो 400 ईसा पूर्व वह समय है जब पुराना नियम बंद हो जाता है लेकिन 333 में सिकंदर की शुरुआत होती है। (वास्तव में यह 334 है, लेकिन मैंने इसे पूर्णांक कर दिया है, 333 को याद रखना आसान है, क्योंकि यह 666 का आधा है।) अतः 333 ईसा पूर्व में सिकंदर जाकर लगभग 10 से 12 वर्षों में पूरी दुनिया पर कब्जा कर लेगा।

O. साइरस महान ने क्या किया (BBBLE) [42:41-47:01]

लेकिन, चलिए साइरस पर वापस चलते हैं। साइरस 539 ईसा पूर्व में बेबीलोन को गिरा रहा था। मैं इस छोटे से एक्रोस्टिक "बी बी-बाइबल," "बीबीबीएलई" का उपयोग करना चाहता हूँ जो साइरस ने शुरू में किया था।

सबसे पहले, **बाइबिल में साइरस**। साइरस के नाम की भविष्यवाणी उसके जीवित रहने से 2-300 साल पहले की गई थी। ठीक है, यशायाह के समय में, यशायाह ने 700 ईसा पूर्व से थोड़ा पहले लिखा (साइरस लगभग 539 में जीवित है) यशायाह यह कहता है, "कौन साइरस से कहता

है," यह यशायाह अध्याय 44 पद 28 है, "कौन साइरस से कहता है, वह मेरा चरवाहा है," ('चरवाहा' शब्द 'राजा' का दूसरा नाम है, राजाओं को चरवाहा कहा जाता था)। "वह मेरा चरवाहा है और वह जो कुछ मैं चाहता हूँ उसे पूरा करेगा। वह यरूशलेम से कहेगा; साइरस यरूशलेम से कहेगा, 'इसे फिर से बनाया जाए' और मंदिर के बारे में 'इसकी नींव रखी जाए।'" यशायाह अध्याय 45 पद 1 में, "यह वही है जो प्रभु [कोल अमर YHWH] कहता है: इसे दो-चार बार जल्दी-जल्दी बोलो; यह मसीहा जैसा लगता है, है न? यह मसीहा के लिए शब्द है; मसीहा का मतलब बिल्कुल यही है। मसीहा का मतलब है "अभिषिक्त।" तो यहाँ, यशायाह 45:1 में साइरस महान को बुलाया गया है, उसे मसीहा, अभिषिक्त व्यक्ति कहा गया है; यह साइरस है। तो यह शब्द मसीहा साइरस, साइरस नामक व्यक्ति पर लागू होता है, मसीहा शब्द बाद में यीशु, स्वयं पर लागू होगा। वैसे, जब मसीहा, हिब्रू से "मेशियाच" ग्रीक में आता है, तो अनुमान लगाइए कि ग्रीक में इसका क्या अर्थ है, "क्रिस्टोस।" तो यीशु को "क्रिस्टोस" कहा जाएगा। यीशु अभिषिक्त व्यक्ति है; हम उसे यीशु मसीह कहेंगे। मसीह, या क्रिस्टोस के लिए शब्द का अर्थ है "अभिषिक्त व्यक्ति।" इसका अर्थ है मसीहा। तो यीशु अभिषिक्त व्यक्ति, मसीहा, क्रिस्टोस: यीशु मसीह।

यशायाह अध्याय 45 पद 1 में यही शब्द, "अभिषिक्त जन," "मेशियाह" कुसू के लिए प्रयोग किया गया है; "यहोवा यों कहता है: अपने अभिषिक्त, अपने मसीहा, कुसू से (और उसका नाम सूचीबद्ध है), उसका दाहिना हाथ मैं पकड़ूंगा कि जाति जाति को दबा दूँ (और कुसू जाति जाति को दबा देगा।

अब हम देखते हैं, बाइबिल में एज्रा में साइरस का उल्लेख किया गया है। साइरस एक आदेश देता है, और साइरस द्वारा दिया गया यह आदेश एज्रा, अध्याय 1 श्लोक 2 से 4 में उद्धृत किया गया है। और मैं इसे पढ़ना चाहता हूँ, यह वास्तव में इस अभिषिक्त व्यक्ति के बारे में यशायाह द्वारा की गई भविष्यवाणी को पूरा करता है और यह अभिषिक्त व्यक्ति क्या करेगा। एज्रा अध्याय 1 श्लोक 2 और उसके बाद, यह कहता है, "यह वही है जो फारस के राजा साइरस कहते हैं, (थोड़े परिचय पर ध्यान दें, यह परिचित लगता है, केवल अलग-अलग नामों के साथ, है न) यहोवा (यानी यहोवा) स्वर्ग के परमेश्वर ने मुझे पृथ्वी के सभी राज्य दिए हैं और उसने मुझे यहूदा में यरूशलेम में उसके लिए एक मंदिर बनाने के लिए नियुक्त किया है। उसके लोगों में से कोई भी तुम्हारे बीच हो,

उसका परमेश्वर उसके साथ रहे और उसे यहूदा में यरूशलेम जाने और यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर, यरूशलेम में रहने वाले परमेश्वर का मंदिर बनाने दें।" इसलिए साइरस ने बेबीलोन पर कब्ज़ा कर लिया और यहूदियों को वापस जाने और यरूशलेम में मंदिर का पुनर्निर्माण करने के लिए आज़ाद कर दिया। इसलिए साइरस एक उद्धारकर्ता है, वह एक उद्धारकर्ता है; वह यहूदी लोगों को बचाता है और उन्हें यरूशलेम में मंदिर बनाने के लिए वापस भेजता है। एज़्रा के अध्याय 1 में साइरस के आदेश में इसका उल्लेख है; वह यहाँ तक कहता है कि वे पुनर्निर्माण के लिए राजकोष से शाही धन का उपयोग कर सकते हैं।

पी . साइरस महान क्यों था - परोपकार [47:02-48:33]

तो साइरस, यह मेरा अगला बिंदु है, साइरस एक दयालु व्यक्ति है। साइरस दयालु है; जहाँ असीरियन क्रूर थे और लोगों को सूली पर चढ़ा देते थे और उनके सिर काट देते थे और उनकी खाल उतार देते थे, उनके जीवित रहते ही उनके शरीर से उनकी खाल उतार लेते थे और उन्हें पक्षियों को खाने के लिए छोड़ देते थे। असीरियन क्रूर थे और उन्होंने इस्राएल के दस उत्तरी जनजातियों को तितर-बितर कर दिया। बेबीलोन ने यहूदियों को उनके राजा सिदकियाह को अंधा करने और वहाँ बहुत सी चीज़ों के बाद 70 साल के लिए बेबीलोन में निर्वासित कर दिया, लेकिन वैसे भी बेबीलोनियों ने लोगों को निर्वासित कर दिया। अब साइरस आता है और वह दयालु है, और वह कहता है, मूल रूप से "वापस जाओ।" वह उन लोगों को अनुमति देता है जिन्हें असीरियन और बेबीलोनियों द्वारा निर्वासित किया गया था, वे अपने वतन वापस जा सकते हैं। इसलिए, साइरस एक अच्छा व्यक्ति था; कई मायनों में, यह आदमी दयालु था। मजबूत होना एक बात है; दयालु और दयालु होना दूसरी बात है। साइरस मजबूत था, वह एक योद्धा था। लेकिन वह दयालु और परोपकारी भी है, और उसका शासन परोपकारी था। उसने लोगों को वापस भेजा और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान किया, आप वापस जा सकते हैं और अपने ईश्वर, यहोवा के लिए अपना मंदिर बना सकते हैं। इसलिए उसने निर्वासन वापस ले लिया लेकिन बहुत से यहूदी कभी वापस नहीं गए। जब एज़्रा और नहेमायाह वापस गए तो 42,000 लोग वापस आए। अब दुनिया भर में यहूदी बिखरे हुए हैं और उनमें से कुछ कभी वापस नहीं गए। वास्तव में, उनमें से कुछ अभी भी न्यूयॉर्क शहर में हैं; न्यूयॉर्क

शहर में यहूदियों की आबादी इस समय इज़राइल से भी ज़्यादा है। प्रवासी, बिखराव, आज भी जारी है।

प्रश्न : साइरस का विस्तार: बेबीलोन [48:34-51:05]

साइरस सम्राट, राजा बनने जा रहा है; वह महान राजा है। जब वह साम्राज्यों को देखता है, तो वह कहता है, "ठीक है, मेरे पास बेबीलोन है।" वह तीन साम्राज्य देखता है। सबसे पहले, वह ईरान के पहाड़ों पर है, वह बाहर देखता है और उसे तीन साम्राज्य दिखाई देते हैं। एक उसके ठीक पैर पर है, वह बेबीलोन है, इसलिए उसने अब बेबीलोन ले लिया है; वह बी है, उसने बेबीलोन ले लिया है। वह तुर्की की ओर देखता है और वह तुर्की, या एशिया माइनर में, उसे लिडिया का साम्राज्य दिखाई देता है। तुर्की में लिडिया, और वहाँ एक आदमी है जिसका नाम क्रोएसस है; और यह क्रोएसस बहुत, बहुत अमीर है। अफवाह है कि क्रोएसस एक सोने के सिंहासन पर बैठता है। साइरस ने यह सुना है, और कहता है, "ठीक है, तो हमने अब बेबीलोन ले लिया है, मैंने लोगों को आज़ाद कर दिया है।" वैसे, जब उसने बेबीलोन पर कब्ज़ा किया, तो उसके बारे में कुछ रोचक बातें हैं, उस समय बेबीलोन का एक नेता था जिसका नाम नबोनिडस था और यह नबोनिडस जो साइरस के खिलाफ लड़ने जा रहा था, वह एक रहस्यवादी था। उसने वास्तव में बेबीलोन छोड़ दिया, बेबीलोन ने भगवान मर्दुक की सेवा की, लेकिन जैसा कि नबोनिडस कहता है, "मैं सूर्य के देवता में इतना विश्वास नहीं करता," इसलिए वह चला गया और वह एक रहस्यवादी था और वह अरब में चला गया और काम करने लगा, और लोग कह रहे थे, "हमारा राजा कहाँ है? वह एक रहस्यवादी बन गया है, रेगिस्तान में एक भिक्षु जैसा काम कर रहा है।" इसलिए जब साइरस बेबीलोन आया, तो वे एक तरह से तैयार थे। अफवाह है, वैसे भी मुझे सिखाया गया था, कि साइरस ने फ़रात नदी की धारा मोड़ दी और बेबीलोन में चला गया और बेबीलोन पर विजय प्राप्त की, न तो दरवाज़ों को तोड़कर, न ही दीवारों पर रामों को तोड़कर, बल्कि वे वास्तव में पानी के नीचे चले गए, जहाँ फ़रात नदी की धारा मोड़ दी गई थी फ़रात नदी और अपने लोगों को पानी के नीचे भेज दिया। एडविन यामूची, जो फ़ारसी लोगों के विशेषज्ञ हैं, और जिन्होंने फ़ारसी लोगों पर 4-500 पेज की किताब लिखी है, डॉ. यामूची कहते हैं कि उन्हें नहीं लगता कि फ़रात नदी की धारा मोड़ी गई थी, फ़रात

नदी मोड़ने के लिए बहुत बड़ी है, लेकिन उन्होंने सोचा कि यह अधिक संभावना है कि यह संभवतः फ़रात से दूर एक नहर थी और उन्होंने नहर को मोड़ दिया और नहर के नीचे चले गए। कहने की ज़रूरत नहीं है, साइरस एक अच्छा योद्धा था। वह चतुर था, वह दीवारों के नीचे चला गया, इस नहर को मोड़कर और अपने लोगों को पानी के नीचे भेज दिया और उन्होंने बेबीलोन पर कब्ज़ा कर लिया। बेबीलोन के लोग वास्तव में साइरस को एक उद्धारकर्ता के रूप में देखते थे। वे खुश थे कि वह यहाँ था; क्योंकि साइरस को बेबीलोन के देवताओं के प्रति उनके अपने राजा नबोनिडस से भी अधिक सम्मान था, जो रेगिस्तान में था।

आर. साइरस लिडिया को बाहर निकालता है (लिडिया का राजा क्रोएसस) [51:06-54:22]

इसलिए वह बेबीलोन ले जाता है, अब वह लिडिया की ओर देखता है। जब वह क्रोएसस के पीछे जाता है, जो बहुत अमीर है। वह मूल रूप से एशिया माइनर और लिडिया, विशेष रूप से क्रोएसस को फारस की संप्रभुता के अधीन लाना चाहता था। आप कह सकते हैं कि साइरस एक अच्छा कैल्विनिस्ट था क्योंकि वह संप्रभुता हासिल करना चाहता था, लेकिन वास्तव में उस क्षेत्र पर उसकी अपनी संप्रभुता थी। इसलिए वह बाहर जाता है और मूल रूप से आपके पास जो होता है, वह यह है कि क्रोएसस जानता है कि साइरस उसके पीछे आ रहा है। वह ग्रीस में डेल्फी ऑरेकल को भेजता है और मूल रूप से कहता है, 'डेल्फी ऑरेकल, मुझे बताओ कि यहाँ मेरे भविष्य में क्या है? मुझे साइरस से लड़ना होगा, क्या मैं जीतने वाला हूँ या हारने वाला हूँ?' और डेल्फी ऑरेकल शानदार ढंग से कहता है, "एक महान साम्राज्य नष्ट हो जाएगा।" अब जब क्रोएसस ने सुना, "एक महान साम्राज्य नष्ट होने वाला था," तो उसने सोचा कि वह साइरस के खिलाफ जीतने वाला है। लेकिन जैसा कि इनमें से बहुत से दैवज्ञों में होता है, यह साइरस का साम्राज्य नहीं था जो नष्ट हुआ, यह उसका अपना साम्राज्य था। इसलिए डेल्फी ऑरेकल अस्पष्ट था, और इसलिए आप देखते हैं कि ऑरेकल ने इसे किसी भी तरह से मारा; किसी भी तरह से उनमें से एक जीतने वाला था और उनमें से एक हारने वाला था। यह पता चला कि, क्रोएसस हार गया।

घोड़ों और ऊँटों के बीच के अंतर पर भी ध्यान दें। क्रोएसस एक घुड़सवार था, एशिया

माइनर में बहुत सारे घोड़े थे। घोड़ों के साथ क्या होता है? घोड़े लगभग इतने बड़े होते हैं ; घोड़े लगभग इतने चौड़े होते हैं। एक घोड़ा बहुत बड़ा होता है, आपको घोड़े पर चढ़ना पड़ता है; इसलिए आप घोड़े की पीठ पर चढ़ते हैं। ऊँट की तुलना में घोड़ा क्या है? ऊँट इतना ऊँचा होता है और ऊँट इतना चौड़ा होता है; और ऊँट के साथ आप ऊँचे होते हैं। इसलिए जब क्रोएसस के घोड़े साइरस के ऊँटों के सामने आए, तो घोड़े घबरा गए। मैंने अक्सर सोचा है कि ऐसा इसलिए था क्योंकि ऊँटों को बदबू आती थी और घोड़े, उम्म... मुझे "विशेषाधिकार" मिला था, मुझे नहीं पता कि यह विशेषाधिकार था या नहीं, हम एक बार सिनाई में थे और मुझे पूरी रात एक ऊँट के बगल में सोना पड़ा और इस ऊँट ने हमारे तंबू पर साँस ली। मैं बस आपको बताना चाहता हूँ, यह आपके जीवन में अब तक की सबसे खराब साँसों में से एक है; ऊँट कभी अपने दाँत नहीं साफ करते और उनकी साँसें बहुत भयानक थीं। यह बहुत ही गंदी गंध थी, यह बहुत ही बुरी गंध थी क्योंकि वह पूरी रात साँस लेता रहा। फिर वे बहुत गहरी गड़गड़ाहट करते रहे; पूरी रात वह गड़गड़ाहट करता रहा और फिर हमारे टेंट पर साँस लेता रहा - यह इस ऊँट के साथ सेप्टिक टैंक में होने जैसा था। इसलिए ऊँटों से बदबू आती है; अब मेरे मन में ऊँट के जानवर के लिए बहुत सम्मान है, यह रेगिस्तान के बीच में एक अविश्वसनीय जानवर है, बिल्कुल अविश्वसनीय। लेकिन जब आप ऊँटों को घोड़ों के खिलाफ खड़ा करते हैं, तो ऊँटों को वहाँ एक निश्चित लाभ होता है। तो वैसे भी, साइरस ने लिडिया को हराया और मूल रूप से नष्ट कर दिया और कब्जा कर लिया। तो अब आपके पास फारसी साम्राज्य है जो वास्तव में सिंधु नदी से लेकर अफगानिस्तान, ईरान में फारस से होते हुए इराक तक फैला हुआ है, उन्होंने अब सीरिया और इज़राइल पर कब्जा कर लिया है; लेकिन उसने अभी भी मिस्र पर कब्जा नहीं किया है। तो वह क्या करता है; वह एक ही समय में हर जगह नहीं हो सकता है लेकिन वह अपने बेटे, कैम्बिसेस को भेजता है, हम उसे आगे देखेंगे, मिस्र पर कब्जा करने के लिए। वह अपने बेटे को, जो वास्तव में उसके जैसा योद्धा नहीं है, मिस्र में भेजता है; वह अपने बेटे को मिस्र पर कब्जा करने के लिए भेजता है।

एस. साइरस की मृत्यु [54:23-56:38]

अब, हमने बेबीलोन और नेबोनिडस के बारे में बात की है, नेबोनिडस बेबीलोन का रहस्यवादी राजा था; उसने वहाँ नेबोनिडस को हराया। और यहाँ लिडिया, क्रोएसस और डेल्फी ऑरेकल हैं। हमने पहले जो बातें बताई हैं; तो आप हमारे एक्रोस्टिक से "BBBLE" देख सकते हैं; और मिस्र को उसने अपने बेटे, कैम्बिसेस को छोड़ दिया। हम इसे आगे देखेंगे। यह बेबीलोन, लिडिया और मिस्र है, तीन राज्य जो उसने जीते। साइरस पर एक और टिप्पणी और यह उस व्यक्ति का सम्मान करने के लिए है; साइरस एक बहुत, बहुत बूढ़ा आदमी था, वह लगभग 70 साल का था जब वह लिडिया और यहाँ के क्षेत्रों में लड़ाई खत्म कर रहा था। फिर वह उत्तर की ओर गया और यहाँ कुछ अन्य क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। साइरस 70 साल का आदमी था, अब आपके पास एक 70 साल का आदमी युद्ध के लिए निकल रहा है। यह आदमी एक योद्धा है; वह अपने सैनिकों का नेतृत्व करता है। क्या वह घर पर रहता है या अपने सैनिकों का नेतृत्व करता है? क्या वह राजा है जो अपनी सेना के सामने है और अपनी सेना का नेतृत्व कर रहा है। 70 साल की उम्र में भी वह अपनी सेना का नेतृत्व कर रहा है। क्या आपको डेविड याद है, डेविड ने अपनी सेना का नेतृत्व नहीं किया था। इसमें लिखा है, "वर्ष के वसंत में, जब राजा युद्ध के लिए जाते हैं," डेविड यरूशलेम में बाथशेबा के साथ खेलवाड़ कर रहा था। साइरस ऐसा नहीं है; 70 साल का साइरस अपनी सेना का नेतृत्व कर रहा है। अब, वैसे, क्या 70 साल के लोगों को युद्ध में जाना चाहिए? नहीं, साइरस युद्ध में मारा गया। अब जब वह गिरता है, जब राजा गिरता है, तो आप उसके आदमियों से कुछ बहुत महत्वपूर्ण बात देखते हैं। उसके आदमी उसके शरीर को उठाते हैं, और उसके शरीर को एक हजार मील ले जाते हैं; वे साइरस के शरीर को एक हजार मील ले जाते हैं ताकि इसे ठीक से दफनाया जा सके, मुझे लगता है कि यह फारस के सुसा में था। वे उसके शरीर को एक हजार मील वापस ले जाते हैं। क्या यह इस राजा के प्रति सम्मान को दर्शाता है जो एक योद्धा-नेता था, जो उसके आदमियों से था; कि उसकी मृत्यु के बाद भी वे उसके शरीर का इतना सम्मान करते थे कि वे इसे उचित दफनाने के लिए एक हजार मील ले गए? साइरस एक महान व्यक्ति था। पुराने नियम में उसे "मेशियाच" भी कहा गया है, जो "अभिषिक्त व्यक्ति" के लिए शब्द है। इसलिए साइरस एक अच्छा, परोपकारी व्यक्ति है; और उसके सैनिक उसे उसी तरह सम्मान देते हैं।

टी . कैम्बिसेस का शासनकाल [56:39-57:43]

एफ. पर्शियन कैम्बिसेस, डेरियस

[लघु वीडियो: टी-एसी संयुक्त; 56:39-73:02]

अब, काश मैं उनके बेटे के बारे में ऐसा कह पाता। दुर्भाग्य से उनके बेटे को समस्याएँ थीं। बेटा, कैम्बिसेस, एक छोटा पात्र है; मैं वास्तव में नहीं चाहता कि आप उसके बारे में बहुत कुछ जानें। लेकिन कैम्बिसेस यहाँ मिस्र में जाने वाला है। यहाँ डेल्टा क्षेत्र है, डेल्टा ब्लूज़, एक तरह की चीज़। यह गोशेन की भूमि है जहाँ इज़राइल था। यहाँ माउंट सिनाई है, यहाँ सिनाई प्रायद्वीप है। यहाँ मेम्फिस है - जहाँ राजा एल्विस को दफनाया गया है। और फिर यहाँ नीचे, यहाँ कुछ यहूदी थे। यहाँ अलेक्जेंड्रिया था। अलेक्जेंड्रिया यहाँ डेल्टा में था। उन्होंने बाद में अलेक्जेंडर के सम्मान में अलेक्जेंड्रिया का निर्माण किया। इसलिए कैम्बिसेस यहाँ आने वाला है और मिस्र पर कब्ज़ा करने की कोशिश करेगा। क्योंकि मिस्र प्राचीन दुनिया का "अन्न भंडार" है, वहाँ बहुत सारा भोजन और चीज़ें हैं जो उनके पास हैं। जब भी अकाल पड़ता है, तो आप कहाँ जाते हैं? जब भी अकाल पड़ता है, हमने इसे उत्पत्ति में अब्राहम और जैकब और उसके बच्चों के साथ देखा; जब भी इज़राइल में अकाल पड़ता है तो आप मिस्र चले जाते हैं क्योंकि वहाँ भोजन मिलता है। यह अन्न भंडार है, नील नदी। जब आपको पानी और भोजन मिलता है तो आप हमेशा खुश रहते हैं।

यू . कैम्बेसिस, साइरस का पुत्र [57:44-60:02]

अब कैम्बिसिस ने अपने पिता से लगभग 530-522 के बीच, लगभग 8 साल की अवधि में पदभार संभाला। मुझे इस आदमी में वास्तव में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं उसके कुछ कामों को याद करने के लिए "TEASE" नामक एक एक्रोस्टिक का उपयोग करना चाहता हूँ। उसने सबसे पहले मिस्र पर कब्ज़ा करने की योजना बनाई। मिस्र में एक आदमी अमासिस था जो उस समय मिस्र का शासक था, फिरौन या कुछ और था। फिर अमासिस ने अपनी बेटी को कैम्बिसिस को दे दिया। जैसा कि आपने सोलोमन के साथ देखा, याद रखें कि सोलोमन को पहले के समय में फिरौन की बेटी मिली थी। पहले के समय में, मिस्र के लोग अपनी बेटियों को किसी विदेशी को नहीं देते थे, लेकिन बाद में उन्होंने ऐसा किया। इसलिए वह यहाँ मिस्र आता है और उसे अमासिस की बेटी

मिलनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता है कि राजा अमासिस कैम्बिसिस को अपनी बेटी नहीं देता, वह पुजारी की बेटी लेता है और पुजारी की बेटी को कैम्बिसिस को दे देता है। इसलिए कैम्बिसिस ने इस महिला से शादी कर ली जो राजा से संबंधित भी नहीं थी; इसलिए कैम्बिसिस को लगता है कि इस बदलाव के कारण अमासिस ने उसका पूरी तरह से शोषण किया है। इसलिए वह जो करता है, वह यह है कि अमासिस मर जाता है (और वैसे, जब मिस्र में कोई मरता है, तो वे क्या करते हैं, वे कब्र में गाड़ देते हैं, वे मूल रूप से शरीर को तैयार करते हैं और मूल रूप से शरीर को ठीक करते हैं। फिर कैम्बिसिस अपनी तलवार लेता है और वह अमासिस के मृत शरीर पर वार करना शुरू कर देता है; ठीक है, आप मिस्र में ऐसा नहीं करते हैं, यह वास्तव में बुरा है क्योंकि वे बाद में शरीर का सम्मान करते हैं और इसीलिए वे शव को संरक्षित करने के साथ ये सब करते हैं। इसलिए वह शरीर को काटता है लेकिन वह शरीर को काट नहीं सकता क्योंकि यह संरक्षित किया गया था, वह जो करता है वह यह है कि वह अमासिस के शरीर को जला देता है और चीजें करता है जो फिर से राजा का पूर्ण उल्लंघन है। लोग इसे मिस्र की संस्कृति के पूर्ण उल्लंघन के रूप में देखते हैं। इसलिए इस आदमी, कैम्बिसिस, को मिस्र की संस्कृति के प्रति कोई संवेदनशीलता नहीं है और वह अमासिस के शरीर के बछड़े को विकृत कर देता है।

कैम्बिसिस के शासन में ही यरूशलेम में मंदिर निर्माण का काम रुका। यह उनके शासन में ही हुआ - यह एक छोटी अवधि थी, इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है; लेकिन यरूशलेम में मंदिर का पुनर्निर्माण रुक गया।

वी . कैम्बिसिस और एप्सिस बैल [60:02-61:24]

अब अप्सिस बैल। अप्सिस बैल; मिस्रवासियों के पास एक देवता था, इस अप्सिस बैल के बारे में कहा जाए तो। अप्सिस बैल जिसे वे सड़कों पर घुमाते थे और हर कोई अप्सिस बैल की पूजा करता था। कैम्बिसिस क्या करता है, वह एक फ़ारसी है, उसे इस अप्सिस बैल की परवाह नहीं है; वह इसे देखता है और शायद कहता है, "अरे, वहाँ कुछ अच्छे स्टेक हैं।" और वह अप्सिस बैल को मार देता है, वह तलवार लेता है और अप्सिस बैल को चाकू मार देता है। फिर से मिस्र की संस्कृति का पूरी तरह से उल्लंघन करते हुए, वह अप्सिस बैल को उनके देवता को चाकू मार देता है। यह

वास्तव में उसकी ओर से एक गलत कदम था। विडंबना यह है कि जब कैम्बिसिस अपने घोड़े पर चढ़ रहा होता है तो वह खुद को चाकू मार लेता है और चाकू लगने से मर जाता है। अब कुछ लोग सोचते हैं कि कैम्बिसिस ने आत्महत्या की है; यह संभव है, वह अपने पिता के स्थान पर आने वाला व्यक्ति नहीं था। साइरस एक महान व्यक्ति था, वह नहीं था; इसलिए कुछ लोग सोचते हैं कि उसने आत्महत्या की। अन्य लोग कहते हैं कि उसने खुद को चाकू मार लिया और वास्तव में इससे मर गया। यह एक तरह की विडंबना है, लोगों ने देखा, कि उसने खुद को चाकू मार लिया और मर गया, लेकिन उसने अप्सिस बैल को भी चाकू मार दिया। तो यह एक तरह से कर्म की बात है; जहाँ उसने बुरा काम किया और बुरा काम उसके सिर पर वापस आ गया। तो कैम्बिसिस, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि कैम्बिसिस को वास्तविक समस्याएँ थीं; उसने कभी अपने पिता के पद को नहीं भरा, लेकिन उसने मिस्र पर कब्ज़ा कर लिया और वहाँ सभी तरह के संघर्ष हैं।

डब्ल्यू कैम्बिसिस और इथियोपिया [61:25-62:05]

वह इथियोपिया और सिवा नामक जगह पर जाने की कोशिश करता है, रेगिस्तान में और वास्तव में रेगिस्तान में धूल के तूफान में अपने लोगों को खो देता है। वहाँ पर धूल के तूफान मूल रूप से एक बहुत बड़ा धूल का तूफान है जो उसके लोगों को ढक लेता है और वह अपनी सेना का एक बड़ा हिस्सा खो देता है क्योंकि वह रेगिस्तान में यह सोच रहा था कि वह एक भगवान या ऐसा कुछ बनने जा रहा है। वह नील नदी के पश्चिम में चला जाता है और रेगिस्तान में अपने सैनिकों को खो देता है; जो वास्तव में एक स्मार्ट चाल भी नहीं है। तो मैं मूल रूप से यह कह रहा हूँ कि कैम्बिसिस बहुत स्मार्ट नहीं था; उसने संस्कृति का उल्लंघन किया और वह खुद को चाकू मारकर मर गया। तो यह कैम्बिसिस था, कोई बड़ी बात नहीं।

X. डेरियस का शासनकाल - फ़ारसी साम्राज्य का आयोजक [62:06-65:56]

यह अगला व्यक्ति बहुत बड़ा है। साइरस फारसी साम्राज्य का संस्थापक था, साइरस महान; एक महान और परोपकारी व्यक्ति जिसने कई राज्यों पर अधिकार किया। अब डेरियस 522 से 486 तक होगा। डेरियस फारसी साम्राज्य का आयोजक है। डेरियस आयोजक है, क्योंकि साइरस

फारसी साम्राज्य का संस्थापक था। विशाल फारसी साम्राज्य, ग्रीस तक, डेरियस इसका आयोजक था। वह कई काम करने जा रहा है। सबसे पहले, डेरियस बेहिस्टन शिलालेख बनाने जा रहा है। बेहिस्टन शिलालेख क्या है? यदि आप कभी लंदन जाते हैं, जो सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, और गॉर्डन कॉलेज के छात्र के रूप में आपको वहां जाना होगा क्योंकि जब आप लंदन से वापस आएंगे, तो एक सवाल होगा जो मैं आपसे पूछने जा रहा हूँ: क्या आप गए - लंदन में मज़ा आया - नहीं ... क्या आप ब्रिटिश संग्रहालय गए? ब्रिटिश संग्रहालय अविश्वसनीय है। जब आप ब्रिटिश संग्रहालय में जाते हैं, तो आप अंदर जाते हैं, और आप इस पत्थर को देखते हैं और वे आपको सीधे इस पत्थर तक चलने देते हैं। और इस पत्थर को कहा जाता है - और अगर मैं आपसे कहूँ, रोसेटा स्टोन, तो आप में से ज्यादातर लोग क्या सोचते हैं? हाँ, आप में से ज्यादातर लोग सोचते हैं, "रोसेटा स्टोन, वह कंप्यूटर प्रोग्राम जो आपको वो सारी भाषाएँ सिखाता है जो आप चाहते हैं।" आप सॉफ्टवेयर खरीदते हैं और इसे रोसेटा स्टोन कहते हैं। नहीं, लंदन में, ब्रिटिश संग्रहालय में उनके पास वास्तव में रोसेटा स्टोन है। अब, रोसेटा स्टोन क्या है? इस पर तीन भाषाएँ हैं। और मूल रूप से रोसेटा स्टोन के ज़रिए क्योंकि वहाँ तीन भाषाएँ थीं, वे मिस्र की चित्रलिपि को डिकोड करने में सक्षम थे क्योंकि रोसेटा स्टोन ने उन्हें मिस्र की चित्रलिपि पढ़ने की अनुमति दी थी। तो इस संबंध के कारण रोसेटा स्टोन अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है।

बेहिस्टन शिलालेख भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बेहिस्टन शिलालेख क्या है? डेरियस ने जब पदभार संभाला, तो कुछ लोगों को लगता है कि वह वास्तव में निश्चित नहीं था, दूसरे शब्दों में, वह साइरस की वंशावली में नहीं था, इसलिए उसे लोगों पर पीआर का काम करना पड़ा। तो [डेरियस] जो करता है वह मूल रूप से एक पहाड़ का हिस्सा काटता है और वह वहां लिखता है, "मैं महान डेरियस हूँ और मैं यह महान व्यक्ति हूँ।" हम यह सब पीआर सामान बताते हैं कि वह कितना महान है, लेकिन जब वह ऐसा करता है, तो वह तीन भाषाओं में करता है। और तीसरी भाषा जो वह उपयोग करता है, मुझे लगता है, वह अक्कादियन है; इसलिए मूल रूप से एक आदमी आता है, एक अंग्रेज। वह इन शिलालेखों को खोजता है जो हजारों सालों से वहां हैं, मुझे लगता है कि उस आदमी ने यह 1800 के दशक में या 1800 के अंत में किया था और इसलिए यह आदमी, (मुझे लगता है कि यह रॉबिन्सन था, मुझे यकीन नहीं है कि यह वास्तविक खोजकर्ता ने किया था।) इस

खोजकर्ता के पास मूल रूप से एक सीढ़ी थी, यह सीढ़ी सौ फीट ऊंची थी और यह आदमी एक सौ फीट ऊंची सीढ़ी पर चढ़ता है, जिस विशाल किनारे पर उसने सीढ़ी रखी वह केवल 18 इंच था; इसलिए वह यह सीढ़ी बिछाता है, और यह आदमी इस पहाड़ पर चढ़ता है, वह हाथ से रिकॉर्ड करता है, एक पर सभी लेखन, अगले पर सभी लेखन और तीसरे पर सभी लेखन। तीसरा अक्कादियन, या बेबीलोनियन था। यह इस बेहिस्टुन शिलालेख के माध्यम से था कि हमने अक्कादियन या बेबीलोनियन, प्राचीन बेबीलोनियन को पढ़ना सीखा। अब आपको ब्रिटिश संग्रहालय में बेहिस्टुन शिलालेख नहीं दिखेगा। ब्रिटिश संग्रहालय ने प्राचीन दुनिया से जो कुछ भी चुराया जा सकता था, उसे चुरा लिया, लेकिन वे पहाड़ नहीं ले पाए। इसलिए आज भी बेहिस्टुन ईरान में है। लेकिन इसे रिकॉर्ड किया गया और चीजें, लेकिन लोगों का कहना है कि उसे एक हड़पने वाले के रूप में देखा गया और इसीलिए उसने यह पहाड़ शैली का विज्ञापन या बिलबोर्ड बनाया, मूल रूप से पहाड़ के किनारे एक बिलबोर्ड। तो डेरियस, यह इन दिनों हमारे लिए बहुत मददगार था।

वाई. डेरियस साम्राज्य का संगठन: क्षत्रप [65:57-67:08]

वह दयालु भी था। डेरियस दयालु था। और इसलिए वास्तव में, मिस्र में राजा, वह व्यक्ति जो मिस्र में अक्सिस बैल का नेतृत्व करता है, डेरियस वास्तव में उस व्यक्ति को सौ प्रतिभा सोने या जो भी था, का भुगतान करता है। इसलिए वह इस व्यक्ति को कुछ पैसे देता है और इस तरह वह मिस्र की संस्कृति का सम्मान करता है। तो मूल रूप से, वह दृढ़ है लेकिन वह दयालु है; यह एक अच्छा संयोजन है यदि आप एक माता-पिता हैं और इसे पूरा कर सकते हैं। मैं इसे कभी पूरा नहीं कर पाया।

उसने क्या किया? यह आदमी मूल रूप से फ़ारसी साम्राज्य का आयोजक है। फ़ारसी साम्राज्य भारत से लेकर ग्रीस तक फैला हुआ है। यह बहुत बड़ा है; मिस्र से लेकर तुर्की तक, बेबीलोन, अफ़ग़ानिस्तान, ईरान, मिस्र तक। डेरियस जो करता है वह इसे प्रांतों में संगठित करता है। वह उन्हें क्षत्रप, क्षत्रप कहता है। और मूल रूप से प्रत्येक व्यक्ति को इन प्रांतों पर शासन करने देता है। और इसलिए वह साम्राज्य को इन प्रांतों में विभाजित करता है। शानदार कदम। फिर इन

प्रांतों पर शासन करने वाले कुछ व्यक्तियों को नियंत्रित करके वह पूरे साम्राज्य को नियंत्रित कर सकता है, एक तरह से। यह एक बहुत अच्छा कदम है। यह आदमी आयोजक है।

ज़ेड. डेरियस और फ़ारसी साम्राज्य की सड़कें [67:09-69:59]

इसके बाद उन्होंने एक सड़क प्रणाली भी बनाई। एक चीज़ जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं, वह है कि उन्होंने एक सड़क प्रणाली बनाई। जब भी आपके पास कोई साम्राज्य होता है, तो आपको साम्राज्य के विभिन्न हिस्सों से संचार की आवश्यकता होती है; और इसलिए मूल रूप से उन्होंने यह सड़क प्रणाली बनाई, पूरे साम्राज्य में उन्होंने सड़कें बनाईं। आपको संचार के लिए सड़कों की आवश्यकता होती है। तो क्या होता है कि एक बार जब आपके साम्राज्य में यह सड़क नेटवर्क बन जाता है, तो आप साम्राज्य को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं। आप अपनी सेना को सड़कों और अन्य चीज़ों पर भेज सकते हैं। तो यह सड़क प्रणाली जो उन्होंने बनाई, और फिर वे संदेशवाहक भेजते थे जो इन सड़कों पर संदेश भेजते थे। मुझे आपको हेरोडोटस के बारे में पढ़ना चाहिए जो एक यूनानी इतिहासकार था। यूनानी इतिहासकार, हेरोडोटस ने डेरियस की सड़क प्रणाली और इन करीयों और अन्य चीज़ों के बारे में टिप्पणी की और उन्होंने यह कहा। होराटियस ने डेरियस के बारे में यही कहा, देखें कि क्या आपने पहले कभी यह सुना है, "ये, न तो बर्फ, न ही बारिश, न ही गर्मी, न ही रात का अंधेरा प्रत्येक व्यक्ति को उसके नियत कार्य को पूरी गति से पूरा करने से रोकता है।" "ये न तो बर्फ, न बारिश, न गर्मी, न ही अंधेरा रोकते हैं..." यह कथन, डेरियस और उसकी सड़क प्रणाली के बारे में कहा गया, न्यूयॉर्क शहर के डाकघर पर है और यही वह है जो हमारे डाकघर "न तो बारिश, न ही बर्फ, न ही ओले, न ही ओले," हमारी डाक प्रणाली को जाने से रोकते हैं; जब तक कि यह शनिवार को न हो, यानी। लेकिन वैसे भी, हेरोडोटस का यह उद्धरण हमारी डाक प्रणाली पर है और यह डेरियस से आता है जिसने सड़क प्रणाली का आयोजन किया था। खैर, डेरियस वास्तव में इस सड़क प्रणाली के साथ काफी प्रभावशाली व्यक्ति था।

ए.ए. डेरियस और स्वेज नहर [69:00-69:35]

डेरियस ने स्वेज नहर बनाने की भी कोशिश की। वह मिस्र गया और देखा कि उन्हें नावों के परिवहन की आवश्यकता है; यदि आपके पास स्वेज नहर नहीं है तो आपको अफ्रीका के चारों ओर जाना होगा। मुझे यकीन नहीं है कि वह समझ पाया था कि "अफ्रीका के चारों ओर" का क्या मतलब

है, लेकिन उसने मूल रूप से खुदाई शुरू की और स्वेज नहर बनाने की कोशिश की। उसके पास उपकरण नहीं थे, और आप जानते हैं, आपके पास इसे करने के लिए बहुत सारी रेत और ऐसी ही चीजें हैं, लेकिन उसके पास विचार था और उसने वास्तव में स्वेज नहर को लागू करना शुरू कर दिया। यह बहुत दूरदर्शिता दिखाता है, कुछ ऐसा जो कई शताब्दियों और सहस्राब्दियों बाद होगा जब लोग स्वेज नहर का निर्माण करेंगे, वह वास्तव में विचार के साथ आया और इसे लागू करने की कोशिश की।

ए.बी. दारा और यूनान [69:36-70:09]

अब, उसे ग्रीस से उलझना है; उसके पास मिस्र है, उसके पास तुर्की है, उसके पास मेसोपोटामिया है। उसे ग्रीस से निपटना है। समस्या यह है कि, वह अपने सैनिकों को ग्रीस भेजता है और पता चलता है कि समुद्र में, वह अपने लोगों को ग्रीस भेजता है, उसने समुद्र में 20 हजार लोगों को खो दिया। समुद्र अविश्वसनीय है, अगर आप समुद्र पर गए हैं, और मूल रूप से उसके 20 हजार लोग समुद्र में मर जाते हैं। इसलिए वह ग्रीस पर कब्ज़ा करने की कोशिश करता है लेकिन वह ऐसा करने में सक्षम नहीं होता। डेरियस एक महान व्यक्ति है, लेकिन ग्रीस अभी भी एक कठिन समस्या है।

ई.पू. 515 ई.पू. में दारा के अधीन यहूदियों ने निर्माण कार्य पूरा किया [70:10-73:02]

हालांकि, हालांकि वह ग्रीस नहीं ले जाता है, लेकिन वह दूसरे मंदिर का निर्माण पूरा करता है। इसलिए डेरियस के अधीन, यरूशलेम में दूसरा मंदिर लगभग 515 ईसा पूर्व में पूरा हुआ। इसलिए सोलोमन के अधीन पहला मंदिर, सोलोमन का, ओह मुझे नहीं पता कि 1000 ईसा पूर्व के बाद लगभग 931 के आसपास। इसलिए आपके पास पहले मंदिर, सोलोमन के मंदिर के चार या पाँच सौ साल हैं। बेबीलोन के लोग पहले मंदिर (586 ईसा पूर्व) को नष्ट कर देते हैं और दूसरा मंदिर 515 में डेरियस के अधीन पूरा होता है। दूसरे मंदिर, यहूदी लोग वास्तव में इन अवधियों को "पहले मंदिर काल" और "दूसरे मंदिर काल" के रूप में कहते हैं। दूसरा मंदिर 515 ईसा पूर्व से लेकर यीशु तक जाएगा। यीशु दूसरे मंदिर में आएंगे। वैसे, क्या यीशु बोलने के लिए इस मंदिर की कल्पना का उपयोग करेंगे? वह क्या कहेंगे? "इस मंदिर को नष्ट कर दो और तीन दिन में मैं इसे खड़ा कर दूंगा,"

जॉन अध्याय 2। लोग इस बात से थोड़े क्रोधित हो जाते हैं और कहते हैं, "तुम इस मंदिर को फिर से बनाने जा रहे हो, इसका क्या मतलब है।" हेरोदेस को इस मंदिर को बनाने में 46 साल लगे। अब हेरोदेस का इससे क्या लेना-देना है?

दूसरा मंदिर शायद वास्तव में बहुत छोटा था, और एज्रा और नहेमायाह जब दूसरे मंदिर के पूरा होने के बारे में बात करते हैं तो पुराने लोग वास्तव में रोते हैं, क्योंकि उनका कहना है कि दूसरा मंदिर पहले मंदिर की तुलना में कुछ भी नहीं है। इसलिए पुराने लोग रोते हैं और युवा लोग कह रहे हैं "हाँ, हमने इसे पूरा कर लिया है।" लेकिन पुराने लोग जिन्होंने पहला मंदिर देखा था, कहते हैं कि यह पुराने मंदिर की तुलना में कुछ भी नहीं है। इसलिए मूल रूप से यह छोटा है। फिर हेरोदेस ने इस विशाल मंच का पुनर्निर्माण किया और हम इसे देखने जा सकते हैं, यदि आप "गेट लॉस्ट इन जेरूसलम" कार्यक्रम लेते हैं तो मैं आपको दिखा सकता हूँ कि दीवार में वह मोड़ कहाँ है जहाँ हेरोदेस ने मंदिर पर्वत पर मंच का विस्तार किया और 46 वर्षों के बाद निर्माण किया -- हेरोदेस एक अविश्वसनीय निर्माता था, उसने यह दूसरा मंदिर बनाया। उसने जरुब्बाबेल और जोशुआ द्वारा बनाए गए मंदिर को लिया और मूल रूप से इसे एक विशाल चीज़ बना दिया।

यीशु हेरोदेस मंदिर में आएंगे, जो दूसरा मंदिर था। अब यीशु के मरने के बाद, दूसरा मंदिर लगभग 70 ई.पू. में नष्ट हो जाएगा। इसलिए 70 ई.पू. में रोमन आने वाले थे और वे मंदिर को मिटा देंगे और हर पत्थर को नीचे फेंक देंगे, जैसा कि यीशु ने ओलिवेट प्रवचन में भविष्यवाणी की थी। नीचे फेंके गए कुछ पत्थर अब पुरातत्वविदों को मिल गए हैं। मंदिर पर्वत से नीचे फेंके गए कुछ पत्थर वास्तव में पाए गए थे। यह 70 ई.पू. में था कि रोमनों ने इसे फिर से पूरी तरह से नष्ट कर दिया। तो आपके पास दूसरा मंदिर काल है, लगभग 515 ईसा पूर्व से लगभग 70 ई.पू. तक, ईसा के समय के बाद। ईसा की मृत्यु के लगभग 40 साल बाद मंदिर नष्ट हो गया। इसलिए दूसरा मंदिर डेरियस के अधीन पूरा हुआ। डेरियस फारसी साम्राज्य का आयोजक था और उसने इसके साथ अच्छा काम किया।

ई.स. जेरेक्सेस: बेबीलोन, एस्तेर और ग्रीस (बीईजी--300) [73:02-74:48]

जी: फारसी: ज़ेरेक्सेस, अर्तक्षत्र, फारसी साम्राज्य का अंत

[लघु वीडियो: संयोजित: AD-End; 73:02-81:45]

यह अगला फ़ारसी राजा ज़ेरेक्सेस कौन है? ज़ेरेक्सेस की आयु लगभग 486 वर्ष से शुरू होती है और लगभग 465 वर्ष तक जाती है, उसके पास वहाँ लगभग 20-21 वर्ष हैं। और मैं उसके लिए जो एक्रोस्टिक का उपयोग करता हूँ वह है "BEG-300।" मूल रूप से, वह डेरियस का पुत्र है और उसे इस कार्य के लिए तैयार किया गया था। बेबीलोन विद्रोह करता है; इसलिए उसका पहला काम यह है कि यहाँ बेबीलोन विद्रोह करता है। ज़ेरेक्सेस क्या करता है? वह उनके देवता की बेल मर्दुक मूर्ति लेता है और उसे पिघला देता है। वह बेल मर्दुक की सोने की मूर्ति लेता है और उसे पिघला देता है। फिर से, क्या आप देखते हैं कि यह वास्तव में इन लोगों का कैसे उल्लंघन करता है? यह उनका प्रमुख देवता है, और वह इसे पिघला देता है। यह आपको बस यह दिखाता है कि वह आपके सामने है, वह उनका सम्मान नहीं करता है, और वह इसे नीचे गिरा देता है। मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है: "ज़ेरेक्सेस एक बदमाश है," मैं उसे इसी तरह से देखता हूँ। वह एक बदमाश किस्म का व्यक्ति है। पता चला कि वह एस्तेर का पति है। एस्तेर की पुस्तक, यह एस्तेर वाला आदमी है। क्या आपको याद है कि जेरेक्सेस ने अपनी पत्नी वशती को बाहर निकाला था, डॉ. फिलिप्स और अन्य लोगों का मानना है कि अफ़वाह है कि रानी वशती को पार्टी में बिना कुछ पहने बाहर आने के लिए कहा गया था, उसके सिर पर सिर्फ़ एक मुकुट था; और वशती कहती है, "मैं ऐसे बाहर नहीं जा रही हूँ।" और फिर जेरेक्सेस कहता है, "ठीक है, तो तुम मेरी रानी नहीं बनोगी।" तो फिर वह साम्राज्य की खोज करता है और एस्तेर को ढूँढ़ता है और एस्तेर उसकी रानी बन जाती है। और आपके पास एस्तेर की पुस्तक है। जेरेक्सेस एस्तेर का पति था। वह एक 'झटका देने वाला' था - लेकिन उसने यहूदियों को तब छोड़ दिया जब हामान ने यहूदियों को मारने की कोशिश की। जेरेक्सेस वास्तव में एस्तेर की पुस्तक में दर्ज यहूदियों को छोड़ने का आदेश देता है। और इसलिए, "ऐसे समय के लिए," जैसा कि एस्तेर होता है, और वह एस्तेर का पति है।

एई. ग्रीस में जेरेक्सेस [74:49-76:21]

वह ग्रीस जाता है; ज़ेरेक्सेस वास्तव में ग्रीस पहुँच जाता है। वह एथेंस जाता है, और वह एथेंस को जलाने जा रहा है; वह उस जगह को जलाकर राख कर देगा। वह वास्तव में उस क्षेत्र को पकड़ने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं है, इसलिए वह मूल रूप से उसे जला देता है और इसलिए वह वापस चला जाता है। वह वास्तव में सलामिस और अन्य जगहों पर अपनी लड़ाई हार जाता है।

इसलिए ज़ेरेक्सेस ग्रीस पहुँच जाता है, लेकिन उसे वहाँ पहुँचने में कुछ समस्याएँ होती हैं। जब वह वहाँ पहुँचता है तो वह उसे जला देता है। 480 ईसा पूर्व में सलामिस की लड़ाई में यूनानियों ने जीत हासिल की और फारसियों ने पीछे हटना शुरू कर दिया। थर्मोपाइले की लड़ाई में, हमें 300 स्पार्टन्स मिलते हैं जो हज़ारों-हज़ारों फारसियों को रोकते हैं; वे इस बहुत ही संकरे दर्रे में थे, और इन 300 स्पार्टन्स ने ज़ेरेक्सेस के हज़ारों का सामना किया। यह स्पार्टन्स की महान योद्धा-पहचान को दर्शाता है। 300 ने फारसियों की गति को धीमा कर दिया, और यूनानियों को ज़ेरेक्सेस का विरोध करने के लिए अपनी सेना को इकट्ठा करने का समय दिया। और इसलिए, "300" एक फिल्म है, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मैं इसकी अनुशंसा करता हूँ, मेरे बेटे ने मुझे इसे देखने के लिए मजबूर किया, लेकिन फिल्म "300" वास्तव में उस लड़ाई का वर्णन करती है। उस फिल्म में कुछ अच्छे और कुछ बुरे हिस्से हैं, मुझे आपको पहले ही बता देना चाहिए।

तो यह है जेरेक्सेस; जेरेक्सेस ग्रीस पर हमला करता है, ग्रीस को जलाता है, ग्रीस से लड़ता है। और जेरेक्सेस एस्तेर का पति है।

ए.एफ. अर्तक्षत्र का शासनकाल [76:22-77:47]

अब अर्तक्षत्र एज्रा और नहेम्याह के समय में है। नहेम्याह अर्तक्षत्र का प्याला वाहक है। जब आप बाइबिल में नहेम्याह की कहानी पढ़ते हैं, तो नहेम्याह नेतृत्व के बारे में एक अद्भुत पुस्तक है और यदि आप नेतृत्व के सिद्धांतों में रुचि रखते हैं, तो जैक मुरे नाम का एक व्यक्ति है, यदि आप मेरी वेबसाइट पर जाते हैं, तो उसे नहेम्याह की पुस्तक से नेतृत्व के बारे में पाँच व्याख्यान मिले हैं। यह नेतृत्व के लिए एक बेहतरीन पुस्तक है; नहेम्याह राजा अर्तक्षत्र के लिए एक नेता और प्याला वाहक था। और नहेम्याह दीवार बनाने वाला है; जब नहेम्याह अब यरूशलेम जाएगा, तो वह यरूशलेम की दीवारों का पुनर्निर्माण करेगा और इसे रात में करेगा और वहाँ कुछ बहुत बढ़िया काम करेगा। नहेम्याह यरूशलेम में दीवार बनाने वाला है। अब यरूशलेम में एक मंदिर है, जो डेरियस के अधीन बनकर तैयार हुआ है, लेकिन इसे बचाने के लिए एक दीवार की आवश्यकता है, और नहेम्याह अर्तक्षत्र के अधीन यरूशलेम की दीवारें बनाने जा रहा है। इसलिए नहेम्याह दीवार बनाने वाला है।

इस समय मिस्र विद्रोह करता है। और वह उसे दबा देगा। और यह यूनानियों की मदद करता है। आप जो देखते हैं वह यह है कि पश्चिम में यूनानी और मिस्र एकजुट होकर फारसी साम्राज्य को पीछे धकेल रहे हैं। तो आप देखते हैं, क्षेत्रीय रूप से, कैसे पश्चिम के लोग पूर्व के लोगों को पीछे धकेलते हैं और पूर्व के लोग पश्चिम के लोगों को पीछे धकेलते हैं। तो इसके पीछे भी कुछ भूगोल है। एज्रा एक शास्त्री और पुजारी के रूप में लौटता है और इसलिए आपको इस तरह की चीजें देखने को मिलती हैं।

ए.जी. फ़ारसी साम्राज्य का विघटन [77:48-81:45]

तो आर्टेक्सरेक्स के बाद, मैं कहना चाहता हूँ, मूल रूप से फ़ारसी साम्राज्य का विघटन होने वाला है और मूल रूप से बिखरने वाला है। तो ये अंतिम लोग पूरी तरह से महत्वहीन हैं। लेकिन डेरियस द्वितीय, जो करता है वह यह है कि वह इन पेलोपोनेसियन युद्धों को स्थापित करता है। पेलोपोनेसियन युद्ध क्या हैं? क्या आपको याद है जब मैंने आपको ग्रीस की एक तस्वीर दिखाई थी, और एथेंस अचिया में उत्तर में था और स्पार्टा पेलोपोनेसस पर दक्षिण में था। क्या होता है कि स्पार्टा एथेंस से लड़ता है और एथेंस स्पार्टा से लड़ता है। और इसलिए ये दोनों - ठीक है, वे दोनों ग्रीक हैं, खुद के खिलाफ लड़ रहे हैं। यह उत्तर बनाम दक्षिण के साथ अमेरिकी गृह युद्ध की तरह है। और इसलिए स्पार्टा दक्षिण में है। स्पार्टन योद्धा हैं, एथेनियन आपके दार्शनिक प्रकार के हैं, लेकिन उनके पास अपने योद्धा भी हैं। और वे आगे-पीछे होते रहते हैं। अब जब स्पार्टन्स जीतने लगेंगे, तो फारसी किसका समर्थन करेंगे? जब स्पार्टन्स जीतने लगेंगे तो फारसी एथेंस का समर्थन करेंगे और एथेंस आगे आएगा; जब एथेंस ने स्पार्टा को हराना शुरू किया तो फारसियों ने स्पार्टा का समर्थन किया। इसलिए फारसियों ने जो किया वह यह था कि उन्होंने उन्हें युद्ध में बनाए रखा। वे हारने वाले का समर्थन करते थे, इसलिए जो भी हारने वाला होता था वह आगे आकर एक-दूसरे से लड़ता रहता था और एक-दूसरे को मारता रहता था। यह कुछ हद तक अमेरिकी नीति की तरह लगता है, हम हमेशा हारने वाले का समर्थन करते हैं और लोग लड़ते रहते हैं। इसलिए फारस ने जानबूझकर यूनानियों को लड़ते रखा। वैसे, अगर आप उन्हें खुद से ही लड़ते रखेंगे तो वे आपके खिलाफ नहीं लड़ पाएंगे। इसमें कुछ रणनीति है। लेकिन पेलोपोनेसियन युद्ध इसी अवधि के दौरान हुआ और फारसी इस समय के आसपास एथेंस और स्पार्टा के बीच लड़ाई का समर्थन कर रहे थे, यह लगभग

400 ईसा पूर्व की बात है। यह लगभग उस समय की बात है जब ओल्ड टेस्टामेंट, मलाकी, समाप्त हो रहा है।

यहाँ ज़ेनोफ़ोन द्वारा एनाबैसिस नामक एक अद्भुत पुस्तक है। एनाबैसिस ज़ेनोफ़ोन द्वारा लिखी गई थी; वह एक यूनानी इतिहासकार था और वह मूल रूप से 10 हज़ार, 11 हज़ार यूनानी भाड़े के सैनिकों की कहानी बताता है जो खुद को किराए पर रखते हैं। वास्तव में यूनानी भाड़े के सैनिक थे; उन्होंने एक लड़ाई में लड़ने के लिए खुद को फारसियों को किराए पर दिया था। फ़ारसी साम्राज्य में सत्ता संघर्ष था और इसलिए उसने इन 10 हज़ार यूनानियों को काम पर रखा क्योंकि ये यूनानी महान योद्धा माने जाते थे। ये यूनानी योद्धा आए और वे इस आदमी के लिए लड़ रहे थे, मुझे लगता है कि उसका नाम साइरस था, या तो III या IV या कुछ और, और वे इस आदमी के लिए लड़ते हैं, लेकिन फिर वह आदमी मारा जाता है। अब आपके पास बेबीलोन के पास मेसोपोटामिया के बीच में ये सभी 10 हज़ार यूनानी हैं। खैर यूनानी क्या करना चाहते हैं - यूनानी घर जाना चाहते हैं। ज़ेनोफ़ोन की कहानी क्या है, वीरतापूर्ण कहानियाँ बताती है, यह स्पष्ट रूप से प्राचीन दुनिया की महान कहानियों में से एक है, ये 10 हज़ार यूनानी सैनिक मेसोपोटामिया से वापस अपने घर लौटते समय लड़ते हैं और फारसियों के भाड़े के सैनिक बनकर ग्रीस वापस आते हैं। और ज़ेनोफ़ोन द्वारा एनाबैसिस उनकी कहानी बताती है कि वे ग्रीस वापस कैसे आते हैं और कैसे चीजें होती हैं। यह एक तरह की वीरतापूर्ण कहानी है और यूनानियों और उस संबंध में फारसियों से निकलने वाली महान वीरतापूर्ण कहानियों में से एक है।

डेरियस III फारसी साम्राज्य का अंत है। मोटे तौर पर, यह डेरियस III व्यक्ति सिकंदर महान के साथ सिर टकराने के बाद खत्म होगा। सिकंदर महान या "अलेक्जेंडर द ग्रेट" जैसा कि मैं उसे कहता हूँ; सिकंदर महान डेरियस III से लड़ेगा और उसे हराएगा और उसे रौंद देगा। तो यह तब है जब सिकंदर, हमने पहले कहा था कि सिकंदर की तिथि क्या थी? - 666 का आधा; सिकंदर की तिथि 333 ईसा पूर्व है सिकंदर ने सत्ता संभाली। फारसियों का शासन मोटे तौर पर लगभग 500 से लेकर लगभग 300 तक था; आपके पास लगभग 200 साल का फारसी शासन है, और फिर 333 में सिकंदर आगे बढ़ने वाला है और वह पूरे फारसी साम्राज्य को जीतने वाला है और उन सभी आंदोलनों का बदला लेगा जो उन्होंने ग्रीस में वर्षों तक किए हैं। सिकंदर उन्हें इसका बदला देगा।

एलेक्सिस हैन और एश्ले होल्म द्वारा लिखित
बेन बोडेन द्वारा संपादित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित रफ